RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः196, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सिटीजन फोरम ऑफ़ मोतिहारी के चौथे कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक संपन्न 03

कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता की मिसाल बने एसडीपीओ अशोक कुमार, भावुक... 04

पेशे से अभिनेत्री और मॉडल हैं श्रुति चौहान, जिनका सैयारा के अभिनेता... 07

बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय और स्मृति स्तूप का मुख्यमंत्री 29 जुलाई को करेंगे उद्घाटन

एजेंसी, पटना : बिहार के वैशाली जिले में विकसित बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का उद्घाटन 29 जुलाई को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। यह ऐतिहासिक स्मारक वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र बनेगा। उद्घाटन समारोह में चीन, जापान, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल, तिब्बत, म्यांमार, भूटान, वियतनाम, मलेशिया, लाओस, कंबोडिया, मंगोलिया, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे 15 बौद्ध देशों के भिक्षुओं की सहभागिता संभावित है। स्तूप का निर्माण भवन निर्माण विभाग द्वारा किया गया है। 72 एकड़ भूमि में फैले इस भव्य परिसर को 550.48 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। यह स्थल ऐतिहासिक पुष्करणी तालाब और मड स्तूप के समीप स्थित है। संग्रहालय के प्रथम तल पर भगवान बुद्ध का पावन अस्थि कलश स्थापित किया जाएगा, जो 1958-62 की खुदाई में प्राप्त हुआ था और स्मारक का प्रमुख केंद्र बिंदु होगा। पूरी तरह पत्थरों से निर्मित यह स्तूप वंशी पहाड़पुर (राजस्थान) से लाए गए 42,373 बलुआ पत्थरों से टंग एंड ग्रूव तकनीक के माध्यम से जोड़ा गया है।

संसद में भी सड़क जैसा व्यवहार, हंगामे पर सांसदों पर गुस्साए लोकसभा स्पीकर बिरला

सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला बुधवार को सदन में विपक्ष के हंगामे को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने विपक्षी सांसदों पर गुस्सा जाहिर कर कहा कि आप संसद में भी सड़क जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में तख्तियां दिखाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध सुबह 11 बजे संसद की कार्यवाही शुरू होने के साथ शुरु हुआ। विपक्षी सांसद पोस्टर-तख्तियां लेकर लोकसभा में वेल के अंदर पहुंचे और हंगामा करने लगे। इस पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने नाराजगी व्यक्त कर उन्हें चेतावनी देकर कहा, मैं फिर कहना चाहता हूं कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी।

प्रश्नकाल के दौरान शुरुआती कुछ मिनट में रेलवे से जुड़े विषय पर सवाल-जवाब हुए। हालांकि, इस बीच हंगामा नहीं रुकने पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला विपक्षी सांसदों पर भड़क गए।

बिरला ने कहा, संसद हमारी गौरवशाली लोकतंत्र की संस्था है। सभी से आग्रह है कि संसद परिसर के अंदर व्यवहार, आचरण और कार्य पद्धति मर्यादित होनी चाहिए। देश की जनता ने आपको उनकी आवाज, समस्याओं, देश के मुद्दों और नीतियों पर चर्चा के लिए यहा भेजा है। आप सड़क जैसा व्यवहार संसद में कर रहे हैं। इसका पूरा देश देख रहा है। विपक्ष

के नेताओं से अपील कर बिरला ने कहा कि आप जाएं, सीट पर बैठें और मुद्दों पर चर्चा करें। हर मुद्दे और विषय पर नियमों के तहत चर्चा और संवाद करने का पर्याप्त मौका दूंगा। उन्होंने कहा कि आप माननीय हैं,तब माननीय जैसा व्यवहार करें। संसद का मानसून सत्र लगातार हंगामे की भेंट चढ़ता जा रहा है। जहां पहले दिन विपक्षी दलों ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे को लेकर सदन में हंगामा किया। इसके बाद दूसरे दिन बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा हुआ।

धनखड़ के इस्तीफे पर बोले खड़गे- हमें लगता है दाल में कुछ काला है

एजेंसी, नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक दिए इस्तीफे को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर सवालों की बौछार करते हुए कहा कि धनखड़ की तबीयत ठीक थी, फिर उन्होंने पद क्यों छोड़ा? इसी के साथ खड़गे ने इस मामले को धनखड़ के सिर्फ स्वास्थ्य कारणों का मामला मानने से इनकार किया और कहा, कि हमें लगता है कि दाल में कुछ काला है। खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मोदी सरकार को साफ-साफ बताना चाहिए कि धनखड़ जी ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा क्यों दिया? क्या कोई अंदरूनी कारण है जिसे छुपाया जा रहा है? खड़गे ने यह भी आरोप लगाया कि जगदीप धनखड़ हमेशा भाजपा और आरएसएस के पक्ष में बोलते थे। उन्होंने कहा, वह कभी भी विपक्ष के सवालों का समर्थन नहीं करते थे। उनकी पूरी निष्ठा बीजेपी-आरएसएस के साथ थी। जब ऐसे व्यक्ति अचानक इस्तीफा देते हैं तो सवाल उठते ही हैं। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का मानना है कि धनखड़ का इस्तीफा सिर्फ स्वास्थ्य कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे कोई राजनीतिक रणनीति या दबाव भी हो सकता है। हालांकि अभी तक सरकार की ओर से इस पर कोई विस्तृत सफाई नहीं आई है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा पर, देश के लिहाज से ठोस परिणाम सामने आएंगे

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को ब्रिटेन (यूके) और मालदीव की द्विपक्षीय यात्रा पर रवाना हो गए। उन्होंने कहा कि यात्रा दोनों देशों के साथ संबंधों को मजबूत करेगी और इसके ठोस परिणाम सामने आएंगे। पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के निमंत्रण पर हो रही है। यह पीएम मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा है।

जस्टिस वर्मा मामले की सुनवाई से सीजेआई गवई ने खुद को किया अलग

- बोले- मैं जस्टिस वर्मा को चुनने वाली कॉलेजियम में था

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक संवेदनशील और चर्चित याचिका पर सुनवाई उस समय टल गई जब मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई)बी.आर. गवई ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया। यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़ा है, जिन्होंने खुद पर बनी इन-हाउस जांच समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी है। सीजेआई गवई ने स्पष्ट किया कि वे जस्टिस वर्मा की नियुक्ति में कॉलेजियम का हिस्सा रहे हैं, इसलिए नैतिकता की दृष्टि से इस मामले की सुनवाई करना उचित नहीं होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल जब इस याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग कर रहे थे, तब सीजेआई गवई ने कहा, हमें इस मामले को नई पीठ के लिए सूचीबद्ध करना होगा। यहां बताते चलें कि जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में जांच समिति की उस रिपोर्ट को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें कथित तौर पर कैश रिकवरी मामले में दोषी ठहराया गया था। यह मामला मार्च 2024 का है, जब जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर आग लगी थी और उस स्थान से बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिलने की खबर सामने आई थी। घटना के बाद पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू की अध्यक्षता में तीन-सदस्यीय समिति गठित की गई थी, जिसने 10 दिनों तक जांच कर 55 गवाहों से पूछताछ की थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा और उनके परिवार का उस स्टोर रूम पर प्रत्यक्ष या परोक्ष नियंत्रण था, जहां आग लगी और अधजली नकदी मिली।

मिग-21 की विदाई होगी- 400 हादसे और 200 पायलट की मौत के चलते बना था उड़ता ताबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमान मिग-21 को लोग उड़ता ताबूत कहने लगे थे। वजह ये थे कि इससे 400 हादसे हुए और करीब 200 पायलटों की मौत हो गई। अब तारीख और दिन तय हो चुका है... जब भारतीय वायुसेना अपने पुराने और ऐतिहासिक मिग-21 लड़ाकू विमान की तीसरी 'नंबर 23 स्क्वाड्रन (पैंथर्स)' को अंतिम विदाई देगी। इस बाबत 19 सितंबर 2025 को राजधानी दिल्ली से सटे बल के चंडीगढ़ एयरबेस पर एक भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। वायुसेना ने मौजूदा साल के

अंत तक उसके जंगी बेड़े में शामिल मिग-21 विमानों की चार स्क्वाड्रन (कुल करीब 72 लड़ाकू विमान शामिल) को सेवानिवृत्त करने का निर्णय लिया था। पूर्व में इसकी दो स्क्वाड्रन (नंबर-4 उरियल्स और नंबर 51 स्वार्ड ऑफ्र्स) वायुसेना की सेवा से बाहर की जा चुकी हैं। 23 स्क्वाड्रन वर्तमान में सूरतगढ़ में तैनात है। इसके अलावा मिग-21 की एक अन्य स्क्वाड्रन नंबर 3 कोब्रास राजस्थान के नाल एयरबेस पर तैनात है। मौजूदा साल में मिग-21 लड़ाकू विमानों की चारों स्क्वाड्रन के सेवा से बाहर होने के बाद वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों की कुल स्क्वाड्रन की संख्या 29 रह जाएगी। जो 1965 के युद्ध से भी कम है। जानकारों की राय में चीन और पाकिस्तान की सीमा से दो मोर्चों पर मिल युद्ध की चुनौती के बीच वायुसेना को कुल करीब 42 स्क्वाड्रन होनी चाहिए। भारत ने मिग-21 लड़ाकू विमान को चीन के साथ 1962 में हुई लड़ाई के ठीक अगले साल 1963 में तत्कालीन सोवियत संघ (वर्तमान में रूस) से खरीदकर वायुसेना में शामिल किया था। जिसके बाद करीब छह दशक से लंबे अपने सेवाकाल में यह लड़ाकू विमान 1965, 1971 और 1999 के युद्ध और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक और 2025 की ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में प्रमुखता से शामिल रहा है। साथ ही ये वायुसेना का एकलौता लड़ाकू विमान है, जिसने 62 वर्षों तक सेवा दी है। जो विमानन क्षेत्र का एक अविश्वसनीय रिकॉर्ड बन गया है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित

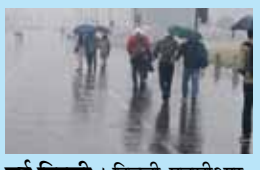

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में मानसून ने जोर पकड़ लिया है। बुधवार सुबह से ही दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में घने बादलों के बीच मूसलाधार बारिश शुरु हो गई। घने और काले बादलों की वजह से सुबह के समय तो हालात ऐसे बन गए जैसे दिन में ही रात हो गई हो। बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं सामने आई हैं।

धनखड़ के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति से मिले उपसभापति को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफे के बाद राजधानी दिल्ली में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच मंगलवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की, जिससे कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं।

मंगलवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से एक तस्वीर जारी की गई जिसमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात करते नजर आए हैं। तस्वीर के

साथ बतौर कैप्शन लिखा गया, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। नियमानुसार राज्यसभा में सभापति का पद खाली होने के बाद हरिवंश नारायण सिंह ने कार्यवाहक सभापति की जिम्मेदारी संभाल ली है। अब जब तक नए उपराष्ट्रपति का चुनाव नहीं हो जाता, वही सभापति की भी जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके साथ ही हरिवंश को उपराष्ट्रपति पद के लिए भी मजबूत चेहरा माना जा रहा है। वो इसलिए भी क्योंकि वह जेडीयू की पृष्ठभूमि से आते हैं। इसके साथ ही उनके रिश्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की सीएम नीतीश कुमार से अच्छे हैं। ऐसे में इस बात से इनकार भी नहीं किया जा सकता कि वे उपराष्ट्रपति पद के दामदार उम्मीदवार हो सकते हैं। बहरहाल नियम के अनुसार चुनाव आयोग कभी भी उपराष्ट्रपति चुनाव का नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। अब यदि चुनाव होता भी है तो एनडीए की स्थिति मजबूत है। इस चुनाव में राज्यसभा और लोकसभा के सांसद मतदान करते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री राज्य सरकार और जनता दोनों के लिए बोझ बन चुके हैं: बाबूलाल

एजेंसी, रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से स्वास्थ्य विभाग और एंबुलेंस सेवा की तत्काल समीक्षा करने का आग्रह किया। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि साहिबगंज की हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। बीमार किशोरी को खाट पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ा और मौत के बाद भी शव ले जाने के लिए एंबुलेंस तक नहीं मिली।

राहुल का गंभीर आरोप- देश में चुनाव चोरी हो रहे हैं

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बिहार में 52 लाख लापता मतदाताओं की रिपोर्ट को लेकर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए। राहुल ने कहा कि यह सिर्फ़ बिहार की बात नहीं है, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी बड़ी गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, कि हमने चुनाव आयोग से मतदाता सूची की मांग की, लेकिन उन्होंने देने से मना कर दिया। हमने वीडियोग्राफी दिखाने को कहा, लेकिन उन्होंने इसके नियम ही बदल दिए। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ नए मतदाता जुड़े, लेकिन इस प्रक्रिया में भी धांधली की गई। राहुल ने कर्नाटक में भी कथित बड़ी चोरी पकड़े जाने की बात कही। इसी के साथ राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा, कि अब उन्हें (चुनाव आयोग को) समझ आ गया है कि हम उनके खेल से वाक़िफ़ हैं, इसलिए वे सिस्टम ही बदल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग मतदाता सूचियों से नाम हटा रहा है और नई लिस्ट बना रहा है ताकि चुनाव परिणाम प्रभावित किए जा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि देश में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं— ये सच्चाई है।

विदेश नीति और ट्रंप पर निशाना

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर राहुल ने तंज कसते हुए कहा, कि आप कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, और दूसरी ओर आप दावा करते हैं कि हम जीत गए हैं। ट्रंप ने 25 बार कहा कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया है। इसका मतलब है कि दाल में कुछ काला है। उन्होंने केंद्र सरकार की विदेश नीति को भी निशाने पर लिया और कहा कि आज कोई भी देश भारत की विदेश नीति का खुलकर समर्थन नहीं कर रहा है। उन्होंने इसे कूटनीतिक असफलता करार दिया। बहरहाल राहुल गांधी के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है।

मध्य प्रदेश में तन्वी द ग्रेट टैक्स फ्री हुई

भोपाल । अभिनेता अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म तन्वी द ग्रेट को मध्य प्रदेश सरकार ने टैक्स फ्री घोषित कर दिया है। यह घोषणा मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फिल्म देखने के बाद की। अनुपम खेर, जो फिल्म में एक कलाकार भी हैं, ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

गंगा, कोसी और बूढ़ी गंडक का जलस्तर बढ़ने से खोले गये फरक्का बराज के 108 गेट, बिहार में बाढ़ का खतरा

एजेंसी, पटना

नेपाल के तराई क्षेत्रों और पड़ोसी राज्यों में हो रही भारी बारिश से बिहार में गंगा, कोसी और बूढ़ी गंडक नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। इन नदियों का जलस्तर बढ़ने से 9 जिलों बक्सर, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, मुंगेर, बेगूसराय, कटिहार, भागलपुर और खगड़िया में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में गंगा नदी में पिछले 15 वर्षों में इतना जलस्तर कभी नहीं देखा गया। बक्सर में गंगा का जलस्तर पिछले साल की तुलना में 6 मीटर और पटना में 2 मीटर अधिक है।

उधर, फरक्का बराज के सभी 108 गेट खोल दिए गए हैं, जिसके बाद गंगा का पानी तेजी से निकल रहा है। मंगलवार शाम पटना में गंगा खतरे के निशान से 43 सेमी और फरक्का में 20 सेमी ऊपर बह रही थी। बक्सर से कहलगांव तक गंगा के उफान के कारण तटबंधों पर दबाव बढ़ गया है। जल संसाधन विभाग ने तटबंधों की सुरक्षा के लिए 600 सुरक्षाकर्मी और 45 से अधिक कनीय अभियंताओं को तैनात किया है, साथ ही रात्रि पेट्रोलिंग शुरू की गई है। बराजों से पानी छोड़े जाने से कोसी और बूढ़ी गंडक के साथ-साथ पुनपुन और दरधा नदियों का जलस्तर भी बढ़ रहा है। जल संसाधन विभाग के अनुसार गंगा में इस साल जुलाई के पहले सप्ताह में पिछले साल की तुलना में 5 मीटर अधिक पानी था। फरक्का बराज के गेट खोलने से नदी का पानी तेजी से निकल रहा है, लेकिन इससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पूर्वी बिहार में गंगा, कोसी, बरंडी और कारी कोसी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। भागलपुर के सबौर, कहलगांव और पीरपैंती में गंगा की तेज धारा से कटाव के कारण कृषि योग्य भूमि नष्ट हो रही है। कहलगांव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर है। खगड़िया में गंगा और बूढ़ी गंडक में पिछले 24 घंटों में 40 सेमी और 25 सेमी की वृद्धि दर्ज की।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर यजुवेंद्र साहू की मौत के विरोध में मेडिकल स्टूडेंट्स, कैंपस में पोस्टर लगाकर मांग रहे हैं इंसाफ

पटना। पटना AIIMS के डॉक्टर यजुवेंद्र साहू की मौत के विरोध में मेडिकल छात्र-छात्राएं सड़क पर उतर आए हैं। स्टूडेंट्स ने कैंपस में कई जगहों पर पटना AIIMS प्रशासन के खिलाफ पोस्टर चिपकाए हैं। प्रदर्शनकारी स्टूडेंट्स ने न्याय की मांग करते हुए 'जब अहंकार आगे बढ़ता है, तो सहानुभूति मर जाती है', 'डॉक्टर दूसरों को ठीक करते हैं, कौन उन्हें ठीक करेगा' और 'मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टर के लिए भी मायने रखता है' जैसे कई स्लोगन लिखे हैं। AIIMS के स्टूडेंट्स का आरोप है कि एम्स प्रशासन पर कब्जा कर लिया गया है। वहीं AIIMS प्रशासन ने विरोध को रोकने का प्रयास किया है। छात्राओं के हॉस्टल को रात 10 बजे बंद करने का आदेश दिया गया है। प्रशासन की ओर से छात्रों को आश्वासन दिया गया है कि विदेश दौरे पर गए निदेशक के लौटने पर 2-3 दिन में बैठक होगी और समस्याओं का समाधान निकाला जाएगा। दरअसल, देवघर AIIMS के कार्यकारी निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय को तीन महीने के लिए पटना AIIMS का निदेशक नियुक्त किया गया है। नए निदेशक के नियुक्ति तक डॉ. सौरभ ही देवघर के साथ ही पटना AIIMS को भी संभाल रहे हैं। इस बीच पटना AIIMS प्रशासन ने गर्ल्स हॉस्टल को रात 10:00 बजे के बाद बंद करने का फरमान सुना दिया। इसे लेकर छात्राएं उग्र हो गई और रात में ही हॉस्टल से बाहर निकालकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। दरअसल, पटना AIIMS के MS फर्स्ट इयर के उड़ीसा निवासी डॉक्टर यदुवेंद्र साहू को उनके हॉस्टल के कमरा संख्या 515 से अचेत अवस्था में इलाज के लिए इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। AIIMS के स्टूडेंट्स का यह मानना है कि काम का दबाव और प्रशासन के व्यवहार से परेशान होकर डॉक्टर यदुवंश साहू ने आत्महत्या कर ली थी। इससे पहले भी हरियाणा के डॉक्टर ने इस तरह का कदम उठाया था। तब से लगातार पटना AIIMS के रेजिडेंट डॉक्टर और मेडिकल छात्र-छात्राओं ने अपनी सुरक्षा के लिए AIIMS प्रशासन से मांग की है।

बिहार में वोटर वेरिफिकेशन पर जदयू में ही टकराव

पटना। वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर महागठबंधन लगातार सरकार को घेर रहा है। JDU के विधायक और सांसद ने भी अब इसे लेकर मोर्चा खोल दिया है। JDU सांसद गिरधारी यादव ने इसे तुगलकी फरमान बताया है। उन्होंने कहा कि 'चुनाव आयोग को बिहार के बारे में कुछ नहीं पता है। वो कुछ भी फैसले लेते रहते हैं।' इधर, JDU विधायक डॉ. संजीव कुमार ने भी SIR पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'मेरे विधानसभा में बहुत सारे लोगों के नाम कट चुके हैं। चुनाव आयोग को वोटर वेरिफिकेशन के लिए समय देना चाहिए।' JDU सांसद गिरधारी यादव ने कहा कि 'चुनाव आयोग को व्यावहारिक ज्ञान नहीं है। वो बिहार का इतिहास भूगोल नहीं जानते हैं। बारिश के दिनों में जब खेती का दिन चल रहा है, ऐसे में कोई कैसे पेपर ढूंढेगा। मेरा बेटा अमेरिका में रहता है। वो कैसे साइन करेगा, एक महीने में। कराना था तो 6 महीने का समय देना चाहिए था। ये तुगलकी फरमान है। ये पार्टी का नहीं मेरा व्यक्तिगत बयान है। मैं सच्चाई बोलूंगा आप चाहे जिसका बयान समझिए।' विधानसभा पहुंचे JDU विधायक डॉ. संजीव ने कहा है कि 'मेरे विधानसभा क्षेत्र में जो मजदूर तबके के लोग हैं उनका नाम वोटर लिस्ट से कटा है, जो बेहद दुखद है। बड़ी संख्या में लोग दूसरे प्रदेशों में काम कर रहे हैं। बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।'

घरों में घुसा पानी, 2 दिन से खाना नहीं मिला, वैशाली के 16 गांव में बाढ़, 8000 लोग प्रभावित

हाजीपुर। बिहार में मानसून एक्टिव होने के बाद गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। गंगा के पास बसे वैशाली और कटिहार जिले में बाढ़ जैसे हालात हैं। वैशाली के देसरी प्रखंड और 5 पंचायत में करीबन 16 गांवों में पानी घूस चुका है। इससे यहां के करीब 8000 आबादी प्रभावित हुई है। गांव वालों को मजबूरन अपना घर छोड़कर ऊंचे जगहों पर पलायन करना पड़ रहा है। पानी का लेवल बढ़ने से गनियारी टोला गांव के संपर्क पथ पर करीब 8 फीट तक पानी चढ़ चुका है। इससे गांव पूरी तरह से टापू में तब्दील हो गया है। गांव वालों का कहना है कि 14 दिन से घरों में कैद हैं। 2 दिन से खाना नहीं खाया है। हालत ये हैं कि लोग अब घर छोड़कर ऊंचे इलाकों की ओर पलायन कर रहे हैं। कुछ मकान आधे डूब चुके हैं, तो कुछ के घरों में सामान पानी में तैर रहे हैं। राघोपुर के चकसिंगार पंचायत के मिडिल स्कूल, हाई स्कूल+ 10+12 इंटरमीडिएट कॉलेज में गंगा का पानी घुस गया है। इसके कारण बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से ठप है।

वैशाली में स्कॉर्पियो ने राहगीर को मारी टक्कर, मौत, घर लौटते समय पेट्रोल पंप के पास हादसा

हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर थाना क्षेत्र के वालिशपुर में एक सड़क हादसे में शख्स की मौत हो गई। मंगलवार रात करीब 9:30 बजे बिना शाही पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने राहगीर को टक्कर मार दी। चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में मृत व्यक्ति की पहचान छोटन महतो(40) के रूप में हुई। वह सराय थाना क्षेत्र के पौड़ा मदन सिंह गांव निवासी हरिंद्र महतो का बेटा था। मृतक के रिश्तेदार बबलू सिंह ने बताया कि छोटन बेलसर थाना क्षेत्र के मिसौलिया गांव में अपना नया घर बनवा रहा था। दुर्घटना उस समय हुई जब वह अपने पुराने घर पौड़ा मदन सिंह जा रहे थे। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके दो बच्चे हैं, एक लड़का और एक लड़की। घटना की सूचना मिलते ही परिजन हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी।

वैशाली के टॉप 10 वांछित अपराधी में शामिल बदमाश अरेस्ट, लूट, अपहरण समेत 7 मामलों में था नामजद

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बिदुपुर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान राजीव कुमार उर्फ रंजन के रूप में हुई है। वह बिदुपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर का रहने वाला है। सदर वन एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि राजीव कुमार वैशाली जिले के टॉप 10 अपराधियों में शामिल था। उस पर लूट, अपहरण, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट और चोरी के कुल सात मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा के निर्देश पर एसडीपीओ सुबोध कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई थी। यह टीम लगातार अपराधी की तलाश में छापेमारी कर रही थी। सोमवार को टीम को सफलता मिली और गोपालपुर से राजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उसके अन्य अपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

इतना दम है कि लाठी चलाओगे, आओ मारो, जीना हराम कर देंगे : पीके

एजेंसी, पटना

♦ विधानसभा घेरने जा रहे जनसुराज कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

पटना में विधानसभा घेरने जा रहे जनसुराज कार्यकर्ताओं पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। सभी नेता हाथ में पोस्टर लेकर नारेबाजी करते हुए प्रशांत किशोर के नेतृत्व में शेखपुरा हाउस से निकले थे। पुलिस ने पटेल गोलंबर के पास बैरिकेडिंग कर सभी को रोक दिया। कार्यकर्ता नहीं हटे। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस पर PK ने पुलिस वाले से कहा कि, इतना दम है कि तुम लोग लाठी चलाओगे। आओ हमको मारो। लाठीचार्ज के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि, 'अभी ये जंग की शुरुआत है। अभी 3 महीने चुनाव में बचे हैं। इनका जीना हराम कर देंगे। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। ये लोग सदन और पुलिस के पीछे छिप नहीं सकते हैं। किसके आदेश पर लाठीचार्ज किया गया। मैं खड़ा हूं मुझ पर चलाओ लाठी।'

2 घंटे बाद घर निकले प्रशांत किशोरः लाठीचार्ज के बाद भी प्रशांत किशोर कार्यकर्ताओं के साथ 2 घंटे तक वहां डटे रहे। उसके बाद एक बार फिर से प्रशांत किशोर ने अपने समर्थकों के साथ फिर से विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने फिर से उन्हें रोक दिया। इसके बाद प्रशांत किशोर पटेल गोलंबर से शेखपुरा हाउस के लिए निकल गए। उन्होंने कहा था, अगर सीएम नीतीश कुमार नहीं मिलेंगे तो हम लोग सीएम हाउस को घेर लेंगे।

PK बोले- 1 लाख आदमी लाकर घर घेर लेंगेः प्रशांत किशोर ने कहा कि 'पुलिस कुछ नहीं कर सकती है। एक लाख आदमी लाकर घर को घेर लेंगे। वो निकल नहीं पाएंगे। नीतीश कुमार विधानसभा में नहीं मिलेंगे तो उनके घर पर जाकर मिलेंगे। बिना मिले नहीं रहेंगे। यह तो बस शुरुआत है। आगे देखते रहिए क्या-क्या होता है।' प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने कहा, 'राज्य सरकार की नाकामी और उदासीनता के खिलाफ यह जनआंदोलन किया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से विधानसभा तक जाने की अनुमति नहीं मिली, जिससे जन सुराज के सभी कार्यकर्ता गर्दनीबाग जा रहे हैं।'

इस जगह प्रदर्शन की परमिशन नहींः SP दीक्षा ने कहा कि 'स्थिति कंट्रोल से बाहर थे, तभी थोड़ी धक्का मुक्की हुई है। हमें नहीं पता था कि यह इस प्रकार बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ेंगे। अब भी ये लोग प्रतिबंधित क्षेत्र में बैठे हैं, जो गलत है।'

इन मांगों को लेकर सड़क पर उतरे प्रशांत किशोर

रोजगार के लिए 2 लाख रुपए की सहायता की मांग- जन सुराज पार्टी ने आरोप लगाया है कि सरकार ने गरीब और बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। अब तक किसी को एक रुपया भी नहीं मिला है। पार्टी का कहना है कि यह सरकार का जनता के साथ किया गया वादा है, जिसे निभाना जरूरी है।

दलित भूमिहीन परिवारों के लिए 3 डिसमिल जमीन की मांग- पार्टी का कहना है कि सरकार ने दलित और महादलित परिवारों को 3 डिसमिल जमीन देने की योजना की घोषणा कई साल पहले की थी। आज भी राज्य के अधिकतर दलित भूमिहीन परिवार ज़मीन के इंतजार में हैं। जन सुराज पार्टी का कहना है कि सरकार केवल कागजों में योजनाएं चला रही है, जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा।

भूमि सर्वेक्षण में भ्रष्टाचार- जन सुराज पार्टी ने भूमि सर्वेक्षण प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि भ्रष्ट अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से गरीब किसानों और जरूरतमंद परिवारों की जमीन हड़पी जा रही है। सर्वेक्षण में पारदर्शिता की भारी कमी है। आम जनता को न्याय नहीं मिल रहा।

फतुहा में ट्रेन से गिरकर बुजुर्ग की मौत, पटना से घर लौटने के दौरान हुआ हादसा

पटना। फतुहा स्टेशन के पास ट्रेन से गिरकर एक बुजुर्ग इंद्रदेव प्रसाद (65) की मौत हो गई। घटना बुधवार सुबह लगभग 10 बजे की है, जहां फतुहा थाना क्षेत्र के सौदागर कोठी, सूर्या मिल निवासी इंद्रदेव प्रसाद रेल ओवरब्रिज के पास ट्रेन से गिर गए। घटना की सूचना मिलते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर फतुहा रेल थाने ले आई। पुलिस ने पहले पहचान करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। पहचान होने के बाद परिजनों को जानकारी दी गई। मृतक के परिजन फतुहा रेल थाना पहुंचे, जहां सभी का रो-रोकर बुरा हाल था। पूरे परिवार में मातम पसर गया है। मृतक के बेटे अमरनाथ ने बताया कि पिताजी कल पटना से लौट रहे थे, तभी ट्रेन से गिरकर उनकी मौत हो गई। फतुहा रेल थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। वहां से शव को उठाकर थाने लाया गया। मृतक की पहचान कर ली गई है और हमने पंचनामा तैयार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बीजेपी समर्थक की 2 हजार में हुई थी हत्या, पटना में एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

बीजेपी समर्थक सुरेन्द्र प्रसाद की हत्या का बुधवार को पटना में पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में रतन कुमार (19) को गिरफ्तार किया है। घटना में रतन के अलावा भी दो लोग हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। रतन ने पुलिस को बताया है कि 2 लाख रुपए में सुपारी ली थी। एडवांस के तौर पर अभी 2 हजार रुपए मिले थे। शेष रुपए एक दो दिन में मिलने वाले थे, उससे पहले पकड़ा गया। उसके पास से घटना में शामिल हथियार एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

हत्या के बाद भाग गया था देवघरः पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि घटना के बाद रतन देवघर चला गया था। हालांकि इस बात से यह इनकार कर रहा है। रतन ने बताया कि ग्रामीण स्तर पर राजनीति के चलते घटना को अंजाम दिया। सुरेन्द्र प्रसाद लोकल स्तर पर वोकल थे, जो इनके प्रतिद्वंद्वियों को खटक रहा था। लोकल बॉडी की राजनीति में ज्यादा सक्रिय थे, पंचायती भी करते थे। जनप्रतिनिधियों तक पीड़ित लोगों की समस्या पहुंचाते थे, इसी बात विवाद में सुपारी दी गई थी।

12 जुलाई की रात हुई घटनाः मृतक सुरेन्द्र प्रसाद की पत्नी मुन्नी देवी ने रंजीत पासवान, पूर्व मुखिया जय प्रकाश पासवान के खिलाफ पिपरा थाने में हत्या कराने की शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों को नामजद आरोपी बनाया था। 12 जुलाई को पिपरा थाना क्षेत्र के शेखपुरा गांव में सुरेंद्र केवट की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नाबालिग की शादी, मां-पिता और सास-ससुर पर मामला दर्ज, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक्शन

एजेंसी, पटना

पटना के नौबतपुर में बाल विवाह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। 9 दिसंबर 2024 को नाबालिग की शादी हुई थी। SC ने नाबालिग (16) और युवक (32) की शादी को लेकर निर्देश दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पटना पुलिस ने नाबलिग के माता-पिता और युवक के मां-पिता के खिलाफ बाल विवाह अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब शादी कराने वाले पंडित और अगुवा की तलाश कर रही है।

माता-पिता की बीमारी के कारण हुई शादीः दरअसल, पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपनी शादी को रद्द करने की मांग की थी। नाबालिग का कहना है कि उसकी शादी जबरन की गई।

उसके परिवार का कहना है कि माता-पिता की बीमारी के कारण उन्होंने बेटी की शादी कर दी। फुलवारी शरीफ SDPO दीपक कुमार ने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के की शादी गैरकानूनी है। इस मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है।

प्रताड़ित करता है पतिः अपने याचिका में नाबालिग ने आरोप लगाया है कि उसे पति द्वारा प्रताड़ित किया जाता है। अभी वह पढ़ लिखकर कुछ बनना चाहती है। बच्ची ने यह भी आरोप लगाया है कि शादी के बाद उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। वह ससुराल नहीं जाना चाहती है। वह अपनी जिंदगी नए तरीके से जीने के लिए 31 मार्च को अपने एक दोस्त की मदद से वह घर से भाग निकली। इसके बाद 4 अप्रैल 2025 को नाबालिग के परिजनों ने पिपलावा थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था। अपहरण का आरोप नाबालिग के दोस्त और उसके परिवार के लोगों पर लगाया गया था। अभी एक सप्ताह पहले सुप्रीम कोर्ट से संबंधित थाने को इस मामले में कार्रवाई का निर्देश मिला था।

♦ पंडित-अगुवा की तलाश में जुटी पुलिस, पति पर प्रताड़ित करने का आरोप

दोस्त को सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देशः वहीं सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद दिल्ली और बिहार पुलिस को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने लड़की और उसकी मदद करने वाले उनके दोस्त को सुरक्षा सुनिश्चित करने और कार्रवाई का निर्देश दिया है।

थाने में जब्त शराब तस्कर की गाड़ी के पार्ट्स चोरी, अगस्त 2024 में पकड़ाया था वाहन

एजेंसी, पटना

पटना के गौरीचक थाना में शराब तस्करी के आरोपी की जब्त पिकअप वाहन से चारों चक्के और बैटरी चोरी हो गई। यह वाहन विदेशी शराब लाने के मामले में जब्त किया गया था। नालंदा निवासी गुंजन कुमार ने पिछले साल बैंक लोन से पिकअप खरीदा था। गौरीचक थाना की पुलिस ने 17 अगस्त 2024 को विदेशी शराब के साथ वाहन (BR 01GN/6895) को जप्त किया। पुलिस ने ड्राइवर निखिल कुमार और मालिक गुंजन कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जेल से रिहा होने के बाद भरा था जुर्मानाः जेल से रिहाई के बाद गुंजन कुमार ने न्यायालय से वाहन छुड़वाया। उन्हें दो चालान भरने पड़े। पहला 3,93,813 रुपए का और दूसरा 11,814 रुपए का था। न्यायालय से रिलीज पेपर लेकर थाने पहुंचने पर उन्होंने देखा कि वाहन के चारों पहिए, बैटरी और अन्य सामान गायब थे। गुंजन ने थाना में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी ने केवल चोरी की पुष्टि की। मालिक को 50,000 रुपए खर्च कर नए चक्के और बैटरी लगवानी पड़ी। गुंजन के वकील कुमार गौरव ने न्यायालय में शिकायत करने की बात कही है। हाईकोर्ट के वकील ने कहा कि थाना को कोर्ट की ओर से नोटिस तलब किया जाएगा।

♦ जून में लोन पर खरीदा, बेल मिलने के बाद लेने गया था

थाना परिसर में नहीं है मालखानाः गौरीचक थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि गौरीचक थाना परिसर में कोई मालखाना नहीं है। जब्त की गई गाड़ी को सड़क के किनारे लगा दिया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि गाड़ी मालिक रिलीज कराने के बाद अपनी गाड़ी को लेकर चला गया। न्यायालय प्रदत्त गाड़ी से चक्का, बैटरी चोरी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

पटना यूनिवर्सिटी के गेट पर छात्रों का हंगामा

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों ने आज कई समस्याओं के मुद्दे को लेकर यूनिवर्सिटी के गेट पर छात्रों ने आज प्रदर्शन किया। यूनिवर्सिटी का गेट बंद कर दिया गया वीसी से नहीं मिलने दिया गया। छात्रों ने कहा कि वीसी की मनमानी चल रही है। वो छात्रों की हित की बात नहीं करते हैं। छात्रों ने रोड को जाम कर दिया गाड़ियों को आगे नहीं जाने दिया गया और वीसी मुर्दाबाद का नारा लगाया।

ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के फर्स्ट सेमेस्टर के रिजल्ट में देरी, एग्जाम फी में मनमानी वृद्धि और जो विद्यार्थी फेल हो गए है उन्हें ग्रेस मार्क दिया जाए। सेंट्रल लाइब्रेरी से जुड़ी समस्याओं का निवारण। PAT परीक्षा जल्द हो और पीजी नामांकन फॉर्म में हो रहे त्रुटियां सुधारें। पटना महाविद्यालय में भूगोल विभाग की जर्जर स्थिति की सुधार की जाए। छात्रों का कहना है एग्जाम दिए हुए 6 महीना हो गया और अभी तक रिजल्ट नहीं आया है। छात्रों ने कहा कि 2 सेमेस्टर का फॉर्म भरा जा रहा है, लेकिन 1 सेमेस्टर का अभी तक रिजल्ट नहीं आया है। छात्रों ने यह भी कहा कि मनमानी फी बढ़ा दिया गया है। पहले हमलोग एग्जाम फी के लिए 500 रुपए देते थे वहां अब 900 रुपए देना होगा। सेंट्रल लाइब्रेरी में किताब की कमी, बैठने की उचित व्यवस्था नहीं है और ना ही चेयर की सुविधा है।

सीएम को तेजस्वी का जवाब- बच्चा, कच्ची बात नहीं बोलता

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी को CM के द्वारा बच्चा कहने पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वो तो मेरे पिता के उम्र के ही है न, क्या दिक्कत है बच्चा कहा तो। आगे उन्होंने कहा कि बच्चा जब बोलता है तो कच्ची बात नहीं बोलता है। तेजस्वी ने कहा कि पहले वोटर सरकार को चुनते थे। अब सरकार वोटर को चुन रही है कि किसको वोट देना है किसको नहीं देना है। सदन में भाई वीरेंद्र को माफी मांगने वाले बयान पर तेजस्वी ने विजय सिन्हा और अशोक चौधरी पर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि यही दोनों न दो दिन पहले NDA की बैठक में लड़ लिए थे। एक ने कहा तुम ग्रामीण कार्य विभाग को लुट लिए। दूसरे ने कहा तुम माइनिंग लुट लिए और आज करण-अर्जुन बनकर घूम रहे हैं।

55 लाख वोटर्स का नाम काटा गयाः उन्होंने कहा कि आज हमें सदन में बोलने का मौका मिला। हम बता रहे थे कि कैसे बिहार से लोग पलायन कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग का एक आंकड़ा आया है, जिसमें बताया गया कि 55 लाख लोगों का नाम वोटर लिस्ट से काटा गया है। वहीं कुछ लोग बहुत हल्की राजनीति कर रहे हैं और सदन की गरिमा को गिराने का काम कर रहे हैं। अध्यक्ष ने उप मुख्यमंत्री और मंत्री को भी फटकार लगाई, लेकिन विजय सिन्हा बोलते रहे। उन्होंने कहा 'यही बोलता रहेगा', ये बहुत गलत बात है।

सरकार किसकी है, PM किसका है, CM किसका है ?: तेजस्वी यादव ने कहा कि विपक्ष सवाल नहीं पूछेगा तो जवाब कौन देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बात बीच में रोक दी गई। हमने तो सबूत भी दिखाया। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में 700 पन्नों का हलफनामा दिया है, जिसमें कहीं भी विदेशी नागरिकों का जिक्र नहीं है। BJP के बूथ स्तर के लोगों ने भी विदेशी नागरिकों का कोई जिक्र नहीं किया। अगर नाम है भी तो सरकार किसकी है, PM किसका है, CM किसका है ?

♦ नेता प्रतिपक्ष बोले- पहले वोटर सरकार चुनते थे, अब सरकार चुनती है वोटर, विपक्ष नहीं तो कौन पूछेगा सवाल

तेजस्वी यादव ने दावा किया कि चुनाव आयोग ने प्रेस नोट में कहा है कि 22% लोग घर पर नहीं पाए गए। इस हिसाब से करीब 80 लाख लोगों का नाम काटा जाएगा। एक विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख से ज्यादा नाम काटे जाएंगे। ये सिर्फ वोटर लिस्ट बनाने की बात नहीं है, यह लोगों के अस्तित्व को ही खत्म करना चाहते हैं।

CM की स्थिति अब सरकार चलाने लायक नहींः CM नीतीश पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हम जब बोल रहे थे तो बीच में मुख्यमंत्री जी उठ गए। पूरे सदन में पता था कि चर्चा SIR पर हो रही है, लेकिन उनका जो हमेशा भाषण याद है वहीं बोलते चले गए। सब जानते हैं कि CM की स्थिति अब सरकार चलाने लायक नहीं रही। सरकार दिल्ली से अमित शाह के इशारे पर चल रही है। पहले वोटर सरकार चुनते थे, अब सरकार में बैठे लोग वोटर चुन रहे हैं। तेजस्वी यादव ने RJD विधायक भाई भाई वीरेंद्र का बचाव भी किया। उन्होंने क्या गलत कहा है 'किसी के बाप का सदन थोड़ी है'। जब सीएम बोल रहे थे तो हम चुप थे, क्योंकि वो सदन के नेता हैं। वहीं जब नेता प्रतिपक्ष बोल रहा था तो यह लोग क्यों बोलने लगे ? इनके ख़ुराफ़ाती उप मुख्यमंत्री हल्ला मचाने लगे। यह लोग हल्की आदतों से बहस कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अन्नू ने यूजीसी-नेट क्वालिफाई कर जिले का बढ़ाया मान

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी शहर अंतर्गत छतौना वार्ड संख्या 11 निवासी अन्नू प्रजापति ने यूजीसी-नेट / जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) और असिस्टेंट प्रोफेसर की पात्रता परीक्षा दोनों के लिए क्वालिफाई किया है। अन्नू वर्तमान में महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी, मोतिहारी से मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं। पढ़ाई के प्रति शुरू से ही गंभीर और मेहनती रही अन्नू ने इस सफलता के लिए नियमित अभ्यास, विषय के प्रति लगाव और परिवार के सहयोग को श्रेय दिया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मोहल्ला और शैक्षणिक जगत में हर्ष का माहौल है। पिता सुरेश प्रजापति, जो पेशे से व्यवसायी हैं, और माता प्रतिमा प्रजापति ने बेटी को मिठाई खिलाकर, गले लगाकर और आशीर्वाद देकर अपनी खुशी जाहिर की। अन्नू ने बातचीत में बताया कि वह भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में शोध और अध्यापन को करियर के रूप में अपनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों ने भी अन्नू को बधाइयां दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सिकरहना नदी में उपलाता मिला अज्ञात महिला का शव

नदी में स्नान कर रहे बच्चों ने शव देख कर मचाया शोर

सुगौली। थाना क्षेत्र के सुकुल पाकड़ पंचायत से होकर गुजरने वाली सिकरहना नदी में बुधवार को एक महिला का शव उपलाता मिला। नदी के पानी में उपलाते महिला के शव को नदी में नहाते कुछ बच्चों ने देखा और शोर मचा दिया। बच्चों का शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस के 112 स्कॉवायड को सूचित किया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन कर रही है। वहीं शव की शिनाख्त के लिए पुलिस द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।पुलिस ने शव को अन्त्यपरीक्षण हेतु मोतिहारी भेज दिया है।

गायत्री देवी ने ली वार्ड पार्षद पद की शपथ, निर्विरोध हुईं विजयी

मोतिहारी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) सह जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण सौरभ जोरवाल ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में गायत्री देवी को वार्ड संख्या 6 से नगर निगम पार्षद पद की शपथ दिलाई। यह शपथ बिहार नगर पालिका अधिनियम 2007 की धारा 15 तथा नगर पालिका निर्वाचन नियमावली 2007 के नियम 112 के तहत दिलाई गई। गौरतलब है कि वार्ड संख्या 6 के लिए उपचुनाव की तिथि 28 जून 2025 तय थी, जबकि मतगणना 30 जून को होनी थी। लेकिन गायत्री देवी ने निर्विरोध जीत दर्ज करते हुए वार्ड पार्षद पद पर सफलता प्राप्त की। शपथ ग्रहण के साथ ही उन्होंने अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा और पारदर्शिता से कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

हरसिद्धि में विशेष छापेमारी अभियान, नौ आरोपी गिरफ्तार

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी विभिन्न आपराधिक मामलों में वांछित थे और लंबे समय से फरार चल रहे थे। थाना अध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में ग्राम सिंगहा उज्जैन लोहियार निवासी चंद्रिका शाह, विश्वनाथ शाह, अंगद शाह, नीरज शाह, संदीप शाह और सुनीता देवी शामिल हैं। इनके अलावा ग्राम सेवरहा निवासी दुखी भगत और टोला लालगंज कांड से जुड़े मनजीत कुमार व बिहारी राम को भी गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी अभियान के दौरान कई स्थानों पर तलाशी ली गई और स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस की यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। अभियान में पुलिस पदाधिकारी राजेश सिंह, अविनाश कुमार, शंभू मालाकार सहित थाना के अन्य जवान शामिल थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी चलाए जाएंगे।

बिना नंबर व हेलमेट बाइक चलाने पर हरसिद्धि के दरोगा अनील सिंह पर चालान, वीडियो वायरल

मोतिहारी।

हरसिद्धि थाना में पदस्थापित पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) अनिल सिंह का बिना हेलमेट और बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवारी करना महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में वे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते दिखाई दिए, जिसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने उनके खिलाफ चालान काटा। वायरल वीडियो में दरोगा जी खुलेआम बिना हेलमेट के बाइक चलाते देखे गए, वहीं उनकी बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। मामला संज्ञान में आने के बाद पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक (SP) स्वर्ण प्रभात ने कड़ा रुख अपनाते हुए ट्रैफिक पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। ट्रैफिक पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत दारोगा पर 1500 का चालान काटा है। नियमों के अनुसार, बिना हेलमेट चलाने पर 1000 और बिना नंबर प्लेट के वाहन के लिए 500 का जुर्माना निर्धारित है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि नियम सभी के लिए समान हैं, चाहे वह आम नागरिक हो या पुलिस कर्मी। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों में कठोरता से कार्रवाई की जाएगी। इस घटना को लेकर लोगों के बीच चर्चा है कि जब कानून के रक्षक ही नियमों को तोड़ते हैं, तो आम जनता से क्या उम्मीद की जाए। हालांकि, कार्रवाई से यह संदेश भी गया है कि अब ऐसे मामलों में ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

सिटीजन फोरम ऑफ़ मोतिहारी के चौथे कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक संपन्न

बीएनएम@ मोतिहारी

सिटीजन फोरम ऑफ़ मोतिहारी के चौथे कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक फोरम के अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आर्य विद्यापीठ विद्यालय के प्रेक्षागृह में फोरम उपाध्यक्ष रणजीत कुमार के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम महासचिव धर्म वर्धन प्रसाद द्वारा पिछले बैठक की कार्यवाही का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसे सभा के द्वारा अनुमोदित किया गया।

गिरते भूजल-स्तर के कारण नगर में सभी जगह नल-जल योजना के अन्तर्गत निर्बाध जल की उपलब्धता, वर्तमान एवं भविष्य के लिए महसूस की जा रही है। फोरम द्वारा नगर में सभी जगह नल-जल योजना सुचारू रूप से कार्य नहीं होने पर असंतोष एवं चिंता व्यक्त की गई और निर्णय लिया गया कि इस संदर्भ में प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं बुडको पदाधिकारी का ध्यानाकर्षण किया जाए, समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि नगर के लगभग हर क्षेत्र में यह योजना धरातल पर विफल है! वृद्धजन सेवा की शुरुआत वार्ड नंबर 36 मे पूर्व अध्यक्ष बिंटी शर्मा के नेतृत्व में कमेटी का गठन किया गया, इस पर कार्य योजना का निर्माण हो चुका है अब कार्य शुरू किया जाएगा ताकि उसे क्षेत्र में रहने वाले सभी वरीय नागरिकों को सरकारी योजनाओं और अन्य चिकित्सा सुधार उपलब्ध कराई जा सके। आगामी कार्यक्रमों पर विचार करते हुए फोरम के संरक्षक बीरेंद्र जालान ने बताया कि मतदाता जागरूकता को लेकर जिला पदाधिकारी को पत्र के साथ फोरम का प्रतिनिधिमंडल मिलेगा और सबसे कम प्रतिशत वाले नगर के मतदान केंद्रों की जानकारी लेकर उस क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान चलाएगा। यह कार्यक्रम पूर्व सचिव राम भजन एवं सुधीर कुमार गुप्ता के नेतृत्व में करने का निर्णय लिया गया। फोरम के उपाध्यक्ष रणजीत कुमार ने मतदाता जागरूकता को लेकर कई सुझाव दिए जिस पर फोरम आगे कार्य करेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फोरम के उपाध्यक्ष डॉ. रणजीत कुमार को शिक्षा के क्षेत्र में सम्मानित होने पर सिटीजन फोरम के अध्यक्ष द्वारा पुस्तक भेट कर सदस्यों द्वारा तालियों के साथ सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में नेत्रिका फाउंडेशन के डॉक्टर कमलेश कुमार और सिटीजन फोरम ऑफ़ मोतिहारी के पूर्व महासचिव राम भजन का सभा में स्वागत किया गया। निशा गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ सभा की कार्यवाही स्थगित की गई। बैठक में पूर्व अध्यक्ष बिंटी शर्मा, बीरेंद्र जालान, अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डॉक्टर रणजीत कुमार,क्षसचिव धर्म वर्धन प्रसाद, पूर्व सचिव राम भजन, चंदू मिश्रा, डॉ. कमलेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में घायल वृद्धा की इलाज के दौरान मौत, हत्या का आरोप

बीएनएम@ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के पन्नापुर रंजीता पंचायत अंतर्गत रंजीता गांव में बुधवार की अहले सुबह जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में घायल हुई वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी शिक्षक जौवाद हुसैन की 70 वर्षीय मां जैनुल निशा के रूप में की गई है। इस संबंध में शिक्षक जौवाद हुसैन ने थाने में लिखित आवेदन देकर बताया कि बुधवार की सुबह वे अपने खेत की जुताई करवा रहे थे। इसी दौरान पड़ोस के भटेली दास के परिवार के कुछ लोगों ने खेत जोतने से रोका और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उनकी वृद्ध मां जैनुल निशा बीच-बचाव करने पहुंचीं, तो हमलावरों ने उनके सिर पर लाठी-डंडे से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के क्रम में बुधवार को उनकी मौत हो गई। मृतका के बेटे ने आरोप लगाया कि विरोधी पक्ष के लोग पूर्व से ही हमले की नीयत से घात लगाए बैठे थे और योजनाबद्ध तरीके से हमला किया गया। इस मामले में हरसिद्धि थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर संबंधित आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

मोतिहारी पुलिस लाइन में "जीविका दीदी की रसोई" का शुभारंभ

552 लोगों को मिलेगा पौष्टिक भोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

राज्य सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण द्वारा जीविका को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में सोमवार को पुलिस लाइन, मोतिहारी में "जीविका दीदी की रसोई" का शुभारंभ जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के संयुक्त रूप से किया गया। इस योजना के तहत 552 लोगों को प्रतिदिन नाश्ता और दो समय का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। भोजन बनाने और वितरण की जिम्मेदारी के लिए 50 जीविका दीदियों का चयन किया गया है, जो पूरी निष्ठा से इस कार्य को संभालेंगी। शुभारंभ अवसर पर चयनित दीदियों ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समय पर शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर डीपीएम जीविका सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मी भी उपस्थित रहे। यह पहल न केवल जीविका दीदियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनेगी, बल्कि पुलिस बल एवं कर्मचारियों के लिए स्वच्छ और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगी।

टोरंटो में मोतिहारी के प्रख्यात साहित्यकार दंपती को सम्मान

हिंदी की वैश्विक भूमिका पर दिया सारगर्भित वक्तव्य

बीएनएम@ मोतिहारी

कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में "हिंदी राइटर्स गिल्ड" द्वारा मोतिहारी के प्रतिष्ठित कवि, गीतकार, साहित्य समीक्षक एवं बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) रवींद्र कुमार 'रवि' एवं उनकी धर्मपत्नी, लंगट सिंह महाविद्यालय की राजनीतिशास्त्र विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) मंजरी वर्मा को सम्मानित किया गया। उन्हें संस्था की अध्यक्षा प्रोफेसर शैलजा सक्सेना द्वारा स्मृति-चिह्न और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र में "हिंदी की सामाजिक भूमिका" विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो. रवि ने विदेशों में हिंदी भाषा की बढ़ती लोकप्रियता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रेमचंद के संदर्भ में हिंदी साहित्य की सामाजिक चेतना को रेखांकित करते हुए कहा कि साहित्य समाज के लिए मशाल का कार्य करता है। प्रो. मंजरी वर्मा ने चंपारण में साक्षरता आंदोलन के दौरान अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के बीच किए गए सघन कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार साहित्य ने समाज में सकारात्मक और रचनात्मक चेतना का संचार किया। इस अवसर पर कनाडा स्थित भारतीय दूतावास की अधिकारी मोनिका की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आयोजित काव्यगोष्ठी में डॉ. रवि ने अपनी अनेक कविताओं, गीतों और ग़ज़लों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसे श्रोताओं ने भरपूर सराहा और तालियों की गूंज से अभिवादन किया। इस आशय की जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन को लेकर डीएम व एसपी ने की बैठक

बीएनएम@ मोतिहारी

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 की तैयारी को लेकर समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मुख्य समारोह गांधी मैदान मोतिहारी में होगा, जहां सुबह 9 बजे प्रभारी मंत्री-सह-शिक्षा मंत्री द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके लिए ससमय आमंत्रण पत्र भेजने का निर्देश दिया गया। नगर निगम को गांधी मैदान, समाहरणालय और प्रमुख मार्गों की सफाई, महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई व माल्यार्पण की जिम्मेदारी दी गई है। महात्मा गांधी से जुड़े स्थलों पर भी झंडोत्तोलन किया जाएगा। मंच निर्माण, रंग-रोगन, बैरिकेडिंग की जिम्मेदारी भवन प्रमंडल को सौंपी गई। समारोह का लाइव प्रसारण सोशल मीडिया व वेबकास्ट के माध्यम से किया जाएगा। विशिष्ट अतिथियों, महिला प्रतिनिधियों और प्रेस के लिए अलग व्यवस्था, कुर्सियां, टेंट की जिम्मेदारी नजारत शाखा को दी गई। स्वतंत्रता सेनानियों को मोमेंटो, शॉल व पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया जाएगा। परेड का पूर्वाभ्यास 7 अगस्त से, जबकि फुल ड्रेस रिहर्सल 13 अगस्त को किया जाएगा। परेड में एसएसबी, बीएमपी, होमगार्ड, एनसीसी आदि शामिल होंगे। सांस्कृतिक संध्या गांधी प्रेक्षा गृह में आयोजित होगी। स्कूल छात्रों के नृत्य, गीत, लघु नाटिका, गांधी दर्शन विषयक प्रस्तुतियां होंगी। प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र व पुरस्कार दिए जाएंगे। महादलित टोलों में बुजुर्गों द्वारा ध्वजारोहण और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति भी की जाएगी।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 867 बोतल नेपाली शराब बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और छौड़ादानो थाना पुलिस की संयुक्त टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। सीमा चौकी विंध्यवासिनी और जोलगांव के बीच गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसएसबी के एएसआई (जीडी) चंद्र मोहन और पांच अन्य जवानों तथा छौड़ादानो थाना के एसआई असलम अंसारी के नेतृत्व में छह पुलिसकर्मियों की संयुक्त टीम ने रात 10:30 बजे संयुक्त गश्ती अभियान शुरू किया। तकरीबन 2:45 बजे टीम ने देखा कि करीब 6–8 व्यक्ति अपने सिर पर बोरे लिए नदी पार करते हुए भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे हैं। टीम ने उन्हें टॉर्च की रोशनी दिखाकर रुकने का इशारा किया, लेकिन सभी संदिग्ध बोरे फेंक कर नेपाल की ओर भाग निकले। इसके बाद इलाके में की गई तलाशी के दौरान कुल 8 बोरे बरामद किए गए। जब इन बोरों को छौड़ादानो थाना लाकर खोला गया तो उनमें से 852 बोतल कस्तूरी ब्रांड और 15 बोतल एम्बिशन ब्रांड की नेपाली शराब बरामद हुई। इस प्रकार कुल 867 बोतल शराब जब्त की गई। जब्त की गई शराब को अग्रेतर कार्रवाई के लिए छौड़ादानो थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम सीमा पर तस्करी रोकने के लिए लगातार सतर्कता बरत रही है।

मेहसी नगर पंचायत में नवगठित बोर्ड का शपथ ग्रहण सम्पन्न

बीएनएम@ मोतिहारी

मेहसी नगर पंचायत के नवगठित बोर्ड का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को नगर पंचायत कार्यालय स्थित सभा भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी ने की, जिन्होंने मुख्य पार्षद नीतू गुप्ता, उपमुख्य पार्षद मोहम्मद अली टीपू और 15 वार्ड पार्षदों को संविधान और विधि अनुसार शपथ दिलाई। कुछ पार्षदों ने ईश्वर, भगवान और अल्लाह के नाम पर शपथ ली, जबकि तीन पार्षदों को वैकल्पिक रूप से शपथ दिलाई गई। शपथ के बाद मुख्य पार्षद नीतू गुप्ता और उपमुख्य पार्षद मोहम्मद अली टीपू ने मीडिया से बातचीत में नल-जल योजना को चालू कराने, भ्रष्टाचार मुक्त शासन और पारदर्शिता से काम करने का संकल्प दोहराया। सभा भवन आम लोगों और गणमान्य नागरिकों से खचाखच भरा रहा। कार्यपालक पदाधिकारी उदय कृष्ण यादव, बीडीओ पप्पू कुमार यादव, इंजीनियर अरविंद कुमार गुप्ता समेत कई स्थानीय नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे। जनता ने तालियों से अपने जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया और समस्याएं भी साझा कीं। नगर पंचायत के सामने जल-जमाव, कचरा प्रबंधन, सड़क मरम्मत व साफ-सफाई जैसी कई चुनौतियां हैं, जिन्हें लेकर लोगों को नए बोर्ड से उम्मीदें हैं। अब देखना होगा कि नवगठित बोर्ड इन अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरता है।

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार, बाइक बरामद

बीएनएम@मलाही

शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मलाही पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। थानाध्यक्ष करन सिंह के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में पुलिस ने एक युवक को भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान इमलिया घाट निवासी जग नारायण यादव (पिता महंत यादव) के रूप में हुई है। वह एचएफ डिलक्स हीरो मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या BR28H2990) से 8PM ब्रांड की कुल 48 टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब (प्रत्येक 180 मिलीलीटर) ले जा रहा था। जब्त की गई शराब की कुल मात्रा 8.680 लीटर बताई गई है। थानाध्यक्ष करन सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस की ओर से क्षेत्र में लगातार अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बगहा पुलिस ने 64 वारंटों का निष्पादन करते हुए कांड में 3 किया गिरफ्तार

वाहन जांच में लगाया 1 लाख 8 हजार 500 का लगाया जुर्माना

बगहा। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत विगत दिन बुधवार को विभिन्न कांडों में पुलिस ने 3 अभियुक्तों की गिरफ्तार किया है. इस दौरान पुलिस ने 46 वारंटों व एक कुर्की का भी निष्पादन किया है .पुलिस जिला में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज के दिशानिर्देश में चलाए गये वाहन जांच अभियान में यातायात समेत विभिन्न थाना की पुलिस ने 1 लाख 8 हजार 500 रुपयों का जुर्माना कुल 419 वाहनों के जांच के उपरांत लगाया गया है .वही दूसरी ओर पुलिस ने करीब पांच लीटर देशी चुलाई शराब व एक मोटरसाइकिल जप्त किया गया है .उक्त जानकारी देते हुए एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि गैर सामाजिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए जिले में लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है . इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों के गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है . शराब कारोबारी व शराबियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस निरंतर अभियान चला रही है .

विद्यालय जाने का रास्ता खराब, हम पार्टी के नेता ने डीएम को सौंपा मांग पत्र

आरा। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर के प्रदेश मीडिया प्रभारी सह प्रदेश प्रवक्ता गिरधारी सिंह ने भोजपुर जिलाधिकारी को क्षेत्र के विकास हेतु एक मांग पत्र सौंपा। सौंपे गए मांग पत्र में कहा है कि जगदीशपुर प्रखंड के ककीला पंचायत के लखनपुरा गांव के विद्यालय के लिए एकमात्र रास्ता जो सड़क से सटा हुआ है, उस रास्ते मे ही स्कूल के सामने ही सात से आठ फिट का गड्ढा है और बरसात के मौसम होने के कारण उस गड्ढा में पानी हमेशा जमा हो जाता है। कीचड़ होने के कारण प्रतिदिन बच्चे गिरते है। आने वाले समय में अत्यधिक बारिश होने से इस गड्ढा में पानी लबालब भर जाएगा और बच्चों के आने जाने में किसी भी प्रकार की दुर्घटना घट सकती है। बताया कि इस गड्ढे के कारण यहां के स्थानीय अभिभावकों मे काफी आक्रोश है और वे अपने बच्चो को स्कूल भेजने में भी डरते है। इन्होंने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि इसे अविलम्ब बनवा दिया जाए जिससे स्कूल आने जाने में किसी बच्चे को परेशानी न हो।

हत्याकांड में चार को उम्रकैद, अर्थ दंड

आरा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आठ नीरज किशोर की अदालत ने हत्या के एक मामले में चार दोष सिद्ध व्यक्तियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा अदालत ने आईपीसी की अलग अलग धाराओं में भी सजा सुनाते हुए कुल साढ़े सोलह हजार रूपए का जुर्माना भी सभी के उपर लगाया। सजा सुनाते वक्त सभी दोषियों को पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय लाया गया था। दोषियों में संतोष रविदास, चुटकुल रविदास, चीना रविदास तथा भरत रविदास के नाम शामिल हैं। अजीमाबाद थाना क्षेत्र कांड संख्या 01/2020 तथा सेशन ट्रायल 116/20 मे यह फैसला आया है। इस संबंध में अपर लोक अभियोजक माणिक कुमार सिंह ने बताया कि अजीमाबाद थाना क्षेत्र के बडगांव निवासी तथा इस कांड के सूचक शिवलाल चौधरी के पुत्र मनोज कुमार की निर्मम हत्या उनके सामने ही लोहे की पड़ तथा लाठी डंडे से पीट पीटकर कर दी गई थी। अभियोजन की तरफ से सात गवाही और तीन डाक्यूमेंट प्रदर्श के तौर पर प्रस्तुत किया गया।

बूथ सशक्तिकरण को लेकर भाजपा ने पुराना हरिपुर में किया कार्यशाला

कोईलवर/भोजपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बड़हरा विधानसभा अंतर्गत बूथ सशक्तिकरण एवं मतदाता पुनरीक्षण को लेकर बुधवार को पुराना हरिपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्षता वरुण सिंह ने किया। इसमें प्रत्येक बूथ पर बीएलए टू जल्द नियुक्त करने का निर्देश दिया गया। जिला महामंत्री वरुण सिंह ने कहा कि बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर पार्टी के सभी कार्यकर्ता सजग होकर प्रत्येक बूथ पर बैठक आयोजित करें। जिससे बूथ स्तर पर संगठन की पकड़ मजबूत हो सके। साथ ही श्री सिंह ने बताया कि जिले के कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गयी है। बैठक में पार्टी की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को प्रदेश के नेताओं का मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 2025 के विधानसभा चुनाव में भोजपुर जिला के सभी विधानसभा में एनडीए की जीत सुनिश्चित हो इसकी मजबूत तैयारी है। वहीं संगठन प्रभारी कृष्णा मिश्रा ने अभियान को लेकर पार्टी द्वारा निर्देशित सभी सांगठनिक कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर बल दिया। कहा कि भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाये। क्षेत्रीय सह प्रभारी मनीष पांडे ने कहा कि हर कार्यकर्ता को राष्ट्र निर्माण का एक योद्धा बनना है। मौके पर एकलव्य कुमार, पिंटू कुमार सिंह, अनु सिंह, जुगनू पासवान, चंचल सिंह, कृपा नारायण पाण्डेय, रणवीर, बलिराम, यदुवंश, विकेश, संतोष, मंटु सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थें।

जल, स्वच्छता एवं जलवायु परिवर्तन के प्रयासों को प्रभावी बनाने को लेकर कार्यशाला

आरा। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण परिसर स्थित शहीद विद्या भवन में बुधवार को जिला स्तरीय अभिसरण सह बिल्डिंग ब्लॉक आधारित लर्निंग एवं शेयरिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में जल, स्वच्छता एवं जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रयासों को और अधिक प्रभावी एवं समन्वित बनाना है। कार्यशाला का शुभारंभ उप विकास आयुक्त श्रीमती गुंजन सिंह एवं निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण द्वारा जल संरक्षण की सामूहिक प्रतिबद्धता के प्रतीक स्वरूप मिट्टी के घड़े में जल अर्पित कर किया गया। वॉटर फॉर पीपुल इंडिया के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में जल स्वच्छता के 9 बिल्डिंग ब्लॉक्स के आधार पर जिले के प्रगति की समीक्षा एवं विश्लेषण किया गया। कार्यशाला में पंचायती राज, पीएचईडी, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनरेगा, कृषि, जल जीवन हरियाली मिशन, जिला विकास मिशन, नमामि गंगे एवं अन्य विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने समूह चर्चा के माध्यम से स्थानीय चुनौतियों, नवाचारों और बेहतरीन प्रयासों को साझा किया। चर्चा के निष्कर्षों के आधार पर हितधारकों के साथ एक संयुक्त कार्य योजना साझा की जाएगी, जिससे जिले में सिस्टम स्ट्रेंथनिंग को नई दिशा एवं गति मिलेगी। कार्यशाला का समापन जिला समन्वयक रंजय कुमार जिला जल एवं स्वच्छता समिति ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

बिजली विभाग की टीम पर छापेमारी के दौरान मारपीट और अभद्रता का आरोप, वीडियो वायरल

अरेराज (पूर्वी चंपारण)। अरेराज प्रखंड के नवादा पंचायत अंतर्गत चौबे टोला में बिजली विभाग की एक टीम पर स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। बताया गया कि विभाग के लगभग 10 कर्मियों ने दिलीप चौबे के घर पर बिना किसी पूर्व सूचना या वारंट के छापा मारा। पीड़ित परिवार और ग्रामीणों के अनुसार, छापेमारी के दौरान बिजली विभाग के कर्मियों ने घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और महिलाओं से अभद्र व्यवहार किया। इस घटना में दिलीप चौबे के परिवार के कई सदस्य घायल हो गए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में आक्रोश का माहौल है। लोगों ने विभागीय कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की है। हालांकि, अभी तक इस मामले में बिजली विभाग या पुलिस प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर होंगे। फिलहाल घायलों का इलाज मोतिहारी सदर अस्पताल में चल रहा है।

कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता की मिसाल बने एसडीपीओ अशोक कुमार, भावुक विदाई में छलक उठीं आंखें

बीएनएम@ सिकरहना

फोटो - स्टेज पर डीएसपी अशोक कुमार के साथ मौजूद पुलिस प्रशासन और अधिकारीगण — गरिमामय विदाई समारोह का खास पल।

फोटो- चम्पारण केसरी अखबार के पत्रकार मोहम्मद आसिफ शेख ने विदाई समारोह में डीएसपी अशोक कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर किया सम्मान — पत्रकारिता व प्रशासन का सौहार्दपूर्ण दृश्य।

ढाका सिटी होटल में मंगलवार की देर संध्या अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अशोक कुमार के विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमापूर्ण और हर्षोल्लास के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार और आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। समारोह की शुरुआत स्वागत गीत और पुष्प अर्पण के साथ हुई। मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में सिकरहना एसडीएम साकेत कुमार, बीडीओ, सीईओ सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। सभी ने अशोक कुमार के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने ढाका अनुमंडल में कर्तव्यपरायणता और ईमानदारी का जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह सराहनीय है।

वक्ताओं ने कहा कि अशोक कुमार के नेतृत्व में ढाका अनुमंडल में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर बनी रही। कई जटिल और गंभीर मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा कर उन्होंने अपराध पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पुलिस और जनता के बीच विश्वास की खाई को पाटने का कार्य किया, जिससे आम लोगों का पुलिस पर भरोसा बढ़ा। कार्यक्रम के दौरान अशोक कुमार को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। इस मौके पर कई वक्ताओं की आंखें नम हो गईं। अशोक कुमार के प्रति लोगों का स्नेह और सम्मान देखकर माहौल भावुक हो गया। अपने संबोधन में अशोक कुमार ने ढाका की जनता, पुलिसकर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र उनके दिल के बेहद करीब है और यहां की यादें हमेशा उनके साथ रहेंगी। उन्होंने कहा कि टीम वर्क और स्थानीय लोगों के सहयोग से ही उन्हें सफलता मिली। इस अवसर पर कई वक्ताओं ने उनके जीवन की प्रेरक घटनाओं को साझा किया और उनके सरल व्यवहार तथा दृढ़ निर्णय क्षमता की सराहना की। समारोह में सिकरहना अनुमंडल के प्रमुख अधिकारी, ढाका क्षेत्र के प्रखंड और पंचायत प्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, पत्रकार, शिक्षक, व्यापारी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम ने सभी को भावुक कर दिया और अशोक कुमार के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान का भाव दिखा।

मुरला पैक्स के पांचवी बार अध्यक्ष बने कौशलेश

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र के मुरला पैक्स के हुए चुनाव के बाद मतगणना में उक्त पैक्स के निवर्तमान अध्यक्ष कौशलेश कुमार ठाकुर उर्फ झुन्नू ठाकुर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अमरेंद्र ठाकुर को र83 मतों से पराजित कर लगातार पांचवी बार जीत हासिल की है ।पुष्टि करते हुए निर्वाची पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि मंगलवार को प्रखंड के मुरला पैक्स में अध्यक्ष पद के हुए चुनाव में विजयी प्रत्याशी कौशलेश कुमार ठाकुर उर्फ झुन्नू ठाकुर को 930 मत मिले ,तथा उनके निकटतम प्रत्याशी अमरेंद्र ठाकुर को 447 मत मिले ।जिसके बाद उन्हें विजयी घोषित कर दिया गया।मतगणना कार्य को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में रामगढ़वा पुलिस सदल बल तैनात थी । इधर कौशलेश ठाकुर के लगातार पांचवी बार जीत हासिल करने पर व्यापार मंडल अध्यक्ष श्री रामा ठाकुर,पैक्स अध्यक्ष अनिल सिंह,पुष्पेंद्र तिवारी,बलिराम यादव,समाजसेवी कुणाल गुप्ता,दिलीप ओझा,गोविंद ठाकुर,बलराम ठाकुर सहित कई लोगो ने बधाई दी है

एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के अधिकार छीनने की साजिश : तेजस्वी

बीएनएम@राकेश कुमार।

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने बुधवार को पटना स्थित अपने आवास 01 पोलो रोड पर महागठबंधन के नेताओं के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन कर एसआईआर (सस्पेक्टेड इनलीगल रेजिडेंट्स) प्रक्रिया को लोकतंत्र के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने और उन्हें सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित करने की एक सुनियोजित साजिश है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में करीब 55 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने की तैयारी चल रही है और यह सब केंद्र सरकार एवं भाजपा के इशारे पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाता है, तो वह पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना जैसी सभी सरकारी सुविधाओं से वंचित हो जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग स्वतंत्र रूप से काम न कर केंद्र के दबाव में कार्य कर रहा है। तेजस्वी ने विधानसभा की कार्यवाही का उल्लेख करते हुए कहा कि जब उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा शुरू की, तो उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा एवं अन्य मंत्रियों द्वारा अभद्र और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यह सदन की गरिमा के खिलाफ है और सत्ता पक्ष लोकतांत्रिक बहस से बचना चाहता है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विषय की गंभीरता न समझने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे अब सरकार चलाने योग्य नहीं रह गए हैं। इस संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, विधायक डॉ. शकील अहमद खान, भाकपा माले के नेता महबूब आलम, सीपीआई एम के अजय कुमार, सीपीआई के सूर्यकांत पासवान, पूर्व मंत्री आलोक मेहता, विधायक भाई वीरेन्द्र, राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव व एजाज अहमद उपस्थित थे। महागठबंधन के नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया अपारदर्शी है और इसका उद्देश्य गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों के मताधिकार को कमजोर करना है। नेताओं ने कहा कि अगर यह प्रक्रिया वापस नहीं ली गई, तो सड़क से लेकर सदन तक जोरदार आंदोलन चलाया जाएगा।

रक्सौल बॉर्डर पर मानव तस्करी से नाबालिग लड़की मुक्त

बीएनएम@रक्सौल।

सोशल मीडिया के ज़रिए फंसाया था प्रेमजाल में

इंडो-नेपाल सीमा स्थित कस्टम चौक रक्सौल से एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU), एसएसबी की 47वीं वाहिनी, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर एवं स्वच्छ संस्था के संयुक्त अभियान में एक नाबालिग लड़की को मानव तस्कर के चंगुल से मुक्त कराया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान धीरेन्द्र आलम, निवासी गोपालगंज, बिहार के रूप में हुई है। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए सिवान की 14 वर्षीय किशोरी को प्रेमजाल में फंसा लिया था। उसने लड़की से शादी का झांसा देकर उसे नेपाल ले जाने की कोशिश की। पीड़िता ने बताया कि शुरू में दोस्ती कर धीरे-धीरे उसे भावनात्मक रूप से प्रभावित किया गया। आरोपी ने जब शादी से इनकार कर दिया और उसे ही दोषी ठहराने लगा, तब लड़की को ठगी का एहसास हुआ। समय रहते संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए लड़की को नेपाल भेजे जाने से पहले ही बचा लिया। इसके बाद दोनों को हरैया थाना, रक्सौल को सुपुर्द किया गया, जहां थाना कांड संख्या 93/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस अभियान में एएचटीयू इंस्पेक्टर विकास कुमार, नीतू कुमारी, प्रयास संस्था की आरती कुमारी, स्वच्छ संस्था के रणजीत सिंह समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।

तुरकौलिया पुलिस को बड़ी कामयाबी, ट्रक से करीब 3000 लीटर कच्चा स्प्रिट बरामद, चालक गिरफ्तार

बीएनएम@तुरकौलिया।

शराबबंदी कानून को लागू करने की दिशा में पूर्वी चंपारण पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। तुरकौलिया थाना क्षेत्र के महानवा बाजार के पास पुलिस ने एक ट्रक से करीब 2960 लीटर कच्चा स्प्रिट जब्त किया है। इसके साथ ही ट्रक चालक हर्षित सिंह, जो यूपी के कानपुर जिले के मांचा गांव का निवासी है, उसे मौके से गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी सदर-1 दिलीप कुमार ने प्रेस वार्ता कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार की रात महानवा बाजार पर वाहन जांच अभियान चलाया गया था। इसी दौरान कोटवा की ओर से आ रहे एक ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने भागने की कोशिश की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक को पकड़ लिया। ट्रक की तलाशी लेने पर 75 बोरी चुना के नीचे छिपाकर रखे गए 148 पीस 20-20 लीटर के स्प्रिट से भरे बाल्टी बरामद किए गए। पूरी खेप सील पैक थी। जब्त स्प्रिट की कुल मात्रा लगभग 2960 लीटर बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से एक मोबाइल, 300 रुपये नकद, ट्रक से संबंधित दस्तावेज भी जब्त किए हैं। डीएसपी ने बताया कि मानवीय आसूचना और वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर स्प्रिट कारोबार में शामिल अन्य माफियाओं की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में सदर-1 डीएसपी के अलावा मुफस्सिल इंस्पेक्टर मुन्ना कुमार, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार, और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस अब जब्त मोबाइल और कागजातों के माध्यम से तस्करी के नेटवर्क की तह तक जाने में जुटी है।

मलाही पुलिस को शराबबंदी अभियान में बड़ी सफलता

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

बीएनएम@मलाही (पूर्वी चंपारण)।

शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मलाही थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थानाध्यक्ष करन सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान जग नारायण यादव के रूप में की गई है, जो इमलिया घाट, थाना मलाही का रहने वाला है। पुलिस ने उसे उस समय पकड़ा जब वह एचएफ डिलक्स हीरो मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या BR28H2990) से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप लेकर जा रहा था।

पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके पास से 8PM ब्रांड की कुल 48 टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब (प्रत्येक 180 एमएल) बरामद की। जब्त की गई शराब की कुल मात्रा 8.680 लीटर बताई जा रही है। इस अवैध शराब की तस्करी को लेकर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष करन सिंह ने जानकारी दी कि गिरफ्तार युवक के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए थाना स्तर पर लगातार निगरानी और छापेमारी की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में शराब तस्करी करने वालों में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि शराबबंदी कानून को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके।

बिजली विभाग पर छेड़खानी और मारपीट का आरोप, वीडियो वायरल

बीएनएम@ अरेराज (पूर्वी चंपारण)।

अरेराज प्रखंड के नवादा पंचायत स्थित चौबे टोला से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। स्थानीय निवासी दिलीप चौबे के परिवार ने बिजली विभाग के लगभग 10 कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ितों के अनुसार, विभाग के कर्मियों ने बिना किसी पूर्व सूचना या वारंट के घर में जबरन घुसकर महिलाओं के साथ छेड़खानी और पुरुषों के साथ मारपीट की।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे जनआक्रोश और भी तेज हो गया है। पीड़ित परिवार का दावा है कि कई सदस्य घायल हैं और इस घटना से पूरे गांव में भय का माहौल है। दिलीप चौबे ने बताया कि अचानक पहुंचे बिजली विभाग के लोग न केवल अभद्र भाषा में बात कर रहे थे, बल्कि उन्होंने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार भी किया।

स्थानीय ग्रामीणों ने इस कार्रवाई को अवैध बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग की यह मनमानी अब सहन नहीं की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, अब तक बिजली विभाग या स्थानीय पुलिस प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है और लोग पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। थाने पर पिडित अनिल चौबे के द्वारा दोषियो के खिलाफ आवेदन दिया गया है। अब देखना है कि प्रशासन इस संवेदनशील मामले में क्या कदम उठाता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

दोनों पायलटों की बातचीत उलझा मामला

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे का सच सामने आने की उम्मीद के सूत्र प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से और उलझ गए हैं। इसके अनुसार उड़ान एआई-171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच उड़ान भरने के तुरंत बाद बंद हो गए थे जिसके कुछ सेकंड बाद लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दोनों पायलटों की बातचीत के संक्षिप्त से हिस्से ने मामले को उलझा दिया है। रिपोर्ट के अनुसारकॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग में एक पायलट को दूसरे से पूछते सुना गया कि कि उसने ईंधन क्यों बंद किया तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कौन सी आवाज किस पायलट की है। 10 क्रू सदस्यों और 241 यात्रियों सहित इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे उन्हें न्याय मिलने का इंतजार अंतिम रिपोर्ट आने तक अधर में लटक गया है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) उड़ान भरने के तुरंत बाद 'कटऑफ स्थिति में चले गए थे। यह नहीं बताया गया कि यह कैसे हुआ या किसने किया। हालांकि पायलटों ने दोनों स्विच चालू कर दिए थे लेकिन विमान को ऊपर उठाने के लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाने में सफल नहीं हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान ने उड़ान भरी उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। रिपोर्ट के संकेत पायलटों को संदेह के दायरे में लाते हैं जबकि दोनों पायलट अत्यंत अनुभवी थे। विमानन विशेषज्ञों का भी कहना है कि ये स्विच ऐसी स्थिति में नहीं होते कि असावधानीवश छू जाने से सक्रिय हो जाएं। प्रारंभिक रिपोर्ट विमान के ऑपरेटरों को फिलहाल कार्रवाई से बख्श देती है। विमान के उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद की सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि 'रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) नामक 'बैकअप ऊर्जा स्रेत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है। सवाल उठता है कि इस ओर वायु यातायात नियंत्रक का ध्यान क्यों नहीं गया वरना पायलट के आपातकालीन संकेत 'मे डे, मे डे,मे डे जारी करने से पहले ही सहायता मिल सकती थी। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल की बात यहां समझदारीपूर्ण लगती है कि प्रारंभिक रिपोर्ट और पायलटों की बातचीत से निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

दिल्ली सरकार को ठोस काम दिखाने की जरूरत

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली की रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार को चुनावी मोड से निकल कर ठोस काम कर दिखाने का समय आ गया है। लंबे इंतजार यानी 27 साल के बाद दिल्ली में भाजपा की वापसी हुई। चुनावी जश्न और पहले की सरकारों पर दोषारोपण के बजाए आम लोगों को इस सरकार से ज्यादा उम्मीदें है। बिजली, पानी, अनधिकृत कालोनी, यमुना का सफाई, प्रदूषण, सार्वजनिक परिवहन, शिक्षा, साफ-सफाई, अस्पताल, सड़कें और आम लोगों के जीवन स्तर को सुधारने इत्यादि के ठोस प्रयास का सभी को इस सरकार से उम्मीदें हैं। केवल मोहल्ला क्लीनिक और मोहल्ला में चल रही बसों का नाम बदलने की इस सरकार से उम्मीद नहीं है। नगर निगम से केन्द्र की सरकार तक यानी ट्रिपल इंजन की सरकार अगर सोच-समझ तक फैसला नहीं ले पा रही है। उसे शुरूआत में ही अपने फैसले बदलने पड़ रहे हैं तो सरकार के कामकाज पर न केवल विपक्ष हमलावर होगा बल्कि कमजोर होते विपक्षी दलों को मजबूत होने का अवसर मिल जाएगा। दस साल से दिल्ली पर राज कर रही आम आदमी पार्टी (आआपा) को भ्रष्टाचार के आरोप में कटघरे में खड़ा करके ही भाजपा केवल दो फीसदी वोट के अंतर से दिल्ली की सत्ता में आ पाई थी। आआपा और उसके नेता अरविंद केजरीवाल की सबसे बड़ी ताकत (यूएसपी) ईमानदारी थी। शराब घोटाले में उनके और उनके कई बड़े नेताओं के जेल जाने और अपनी सरकारी कोठी को सजाने में 55 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगने के बाद तो उन पर और उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोपों की झड़ी लग गई और आखिरकार उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा। दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री आदि आमतौर से नई दिल्ली यानी लुटियन दिल्ली और दिल्ली के दूसरे महंगे इलाके सिविल लाइन्स में रहते आए हैं। अब तक किसी मुख्यमंत्री या मंत्री ने एक साथ रहने के लिए दो कोठियां आवंटित नहीं करवाई। मुख्यमंत्री बनने के चार महीने बाद रेखा गुप्ता ने सिविल लाइंस में राज निवास के पास दो कोठियां आवंटित करवाई। एक आवास के लिए और दूसरा आवासीय दफ्तर के लिए। इतना ही नहीं उसकी सजावट के लिए 60 लाख रुपए का टेंडर पास हुआ जो हाथ के हाथ सार्वजनिक हो गया। उसका ब्यौरा सार्वजनिक होते ही हंगामा खड़ा हो गया। 14 सीसीटीवी कैमरे, 14 एसी, पांच बड़े टीवी, झूमर, दो यूपीएस और न जाने क्या-क्या। एक तो यह समझ से परे है कि कुछ ही दूरी पर दिल्ली सचिवालय और दिल्ली विधानसभा होने के बावजूद उन्हें पहले के मुख्यमंत्रियों से अलग दो कोठी क्यों चाहिए। दोनों जगह मुख्यमंत्री का भव्य दफ्तर है। अगर आवास की साज-सज्जा होनी थी तो उसे बनने से पहले सार्वजनिक क्यों किया गया। खुद अपने मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर 55 करोड़ रुपए खर्च करवाने वाले आआपा की सरकार के नेता 60 लाख के खर्च पर सवाल उठा कर आआपा के मुख्यमंत्री के शीशमहल के जवाब में भाजपा के मुख्यमंत्री का माया महल मुद्दा बनाने की कोशिश की। कुछ ही दिन में काम शुरू होने से पहले ही उस टेंडर को रद्द करना पड़ा। शीशमहल और माया महल के चक्कर में दिल्ली सचिवालय में पिछली सरकार ने मुख्यमंत्री के दफ्तर पर फूहड़ तरीके से करोड़ों खर्च किए, वह मुद्दा चर्चा में ही नहीं आ पाया। 1998 में दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी शीला दीक्षित ने पूरे दिल्ली सचिवालय और खास करके तीसरी मंजिल के दफ्तर को सुरुचिपूर्ण तरीके से आकर्षक बनवाया था। इससे भी अजूबा अदालती आदेश से दिल्ली की सड़कों से दस साल पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को सड़क से हटाने का अभियान के साथ हुआ। यह अदालती फैसला काफी पुराना है। आआपा की केजरीवाल सरकार ने इस पर अमल करने के लिए समय-सीमा पूरा करने वाले वाहनों को सड़कों से हटाने के लिए उन्हें ईंधन न देने की कवायत शुरु की। पायलट प्रोजेक्ट के तहत चार सौ पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगवाए जिनपर एआई के माध्यम से सीधे परिवहन विभाग निगरानी रखने वाला था। यह अजीब संयोग है कि जो काम आआपा सरकार नहीं करवा पाई वह भाजपा करवाने लगी। भाजपा सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ऐसे उत्साह से लगे कि लगा कोई जंग जीतने वाले हैं। इस पर अमल होते ही विरोध शुरू हो गया। लागू करवाने की कवायत करवाने वाली आआपा ने ही सबसे ज्यादा इसके खिलाफ अभियान चलाया। भाजपा के नेता यह कह भी नहीं पाए कि यह तो आआपा सरकार ने शुरू किया था। भारी विरोध और किरकिरी के बाद इसे नवंबर तक के लिए टाल दिया गया। चुनाव प्रचार में भाजपा नेताओं ने बड़े-बड़े वायदे किए थे। उन वायदों में एक यह भी वायदा था कि बिना वैकल्पित मकान दिए कोई झुग्गी तोड़ी नहीं जाएगी। यह वायदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दिल्ली का राजनीतिक समीकरण काफी बदल गया है। बगैर अपना वोटबैंक बढ़ाए न तो भाजपा की दिल्ली में लंबे समय तक सरकार चल पाएगी और न ही आआपा जैसे केवल नारों और आधारहीन वायदों पर चुनाव जीतने वाले दलों की स्थाई विदाई हो पाएगी। इस चुनाव में भले ही भाजपा को 70 में से 48 सीटें मिली लेकिन वोट का अंतर दो फीसद का ही रहा। अभी तक झुग्गियों के मामले में इसके ठीक विपरित हो रहा है। बड़े पैमाने पर बिना वैकल्पिक प्लाट या मकान दिए झुग्गी तोड़ी जा रही है। यह सही है कि अपने वायदे के मुताबिक दिल्ली की नई सरकार की पहली मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली में भी आयुष्मान योजना लागू करने का फैसला लिया गया। बताया गया कि अब तक तीन लाख दस हजार पात्र लोगों का इस योजना में पंजीकरण कर दिया गया है। महिलाओं को पेंशन देना यानी महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, पात्र लोगों को चिह्नित करने का काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने यह संख्या बढ़ाने का वायदा किया। काफी सड़कों के मरम्मत का काम पूरा हो गया। दिल्ली की सड़कों को पूरी तरह से गढ्ढा मुक्त करने में अभी समय लगेगा। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने के लिए वायु प्रदूषण शमन योजना बनाई गई है। सरकार का फोकस दिल्ली की साफ-सफाई पर है। अभी तक यह धरातल पर नहीं उतरा है। इसी 22 जुलाई को मंत्रिमंडल ने कई फैसले लिए। मेधावी छात्र-छात्राओं को सरकार लैपटाप देगी। ओलंपिक आदि जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाई गई। कई और फैसले हुए हैं और हर रोज हो भी रहे हैं। जरुरत उस पर अमल करने की है। वैसे अभी भी यह कहा जा सकता है कि अभी बजट पास होने और उसके आवंटन के बाद समय कम मिला है। आम आदमी पार्टी के हारने के कई कारणों में यह माना जाता है कि उसकी सरकार ने दिल्ली के मूल ढांचे की बेहतरी के लिए ठोस काम नहीं किए। लेकिन उसके कुछ अच्छे कामों में से एक काम निजी स्कूलों के फीस पर नियंत्रण रखना था। आआपा सरकार जाते ही निजी स्कूलों ने बेहिसाब फीस बढ़ा दिए। भाजपा सरकार को इसके विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों को शांत करने के लिए मजबूरन कठोर कदम उठाने पड़े। सरकार फीस रेगुलेटरी बिल लेकर आई। तब जाकर कुछ माहौल बदला। यह सरकार को सोचना होगा कि सरकार बनते ही ऐसा क्यों हुआ और आगे किसी और मामले में ऐसा न हो। कुछ काम निश्चित रूप से दिल्ली की ठोस बुनियाद के लिए शुरू हुए हैं। सीएम श्री योजना के तहत 70 विश्वस्तरीय स्कूल खोला जाएगा और आआपा सरकार के 500 मोहल्ला क्लीनिक के बदले 1100 से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगे। इसकी शुरुवात भी हो गई है लेकिन इस सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। सबसे बड़ी चुनौती तो दिल्ली में अपने काम से बड़ी लकीर खींचने की है। भाजपा दिल्ली में विधानसभा बनने के बाद हुए पहले चुनाव यानी 1993 में सत्ता में आई थी। आपसी विवाद के चलते पांच साल में भाजपा को तीन मुख्यमंत्री बदलना पड़ा। 1998 में दिल्ली की सत्ता से बेदखल होने के बाद इस बार वह सत्ता में लौट पाई है। इस बार भाजपा बिना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए चुनाव लड़ी और 70 सदस्यों वाली विधानसभा में 45.86 फीसद वोट और 48 सीटों के साथ सत्ता में वापसी की। दस साल से दिल्ली में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी का वैसे तो वोट औसत काफी (करीब दस फीसद) घटा लेकिन भाजपा के मुकाबले दो फीसद कम यानी 43.57 फीसद पर रह गया। उसकी सीटें केवल 22 रह गई। अभी आआपा की सरकार पंजाब में है और उसके विधायक गुजरात में भी हैं। इसी के चलते आआपा अपनी स्थापना के पांच साल में ही राष्ट्रीय पार्टी बन गई थी। चुनाव नतीजों के बाद अरविंद केजरीवाल काफी संभल कर बोल रहे थे।

कोयले के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की जरूरत

राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस (24 जुलाई) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल, थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है। एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन। ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है। दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है। हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है। वायु प्रदूषण आज दुनियाभर में एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा निरंतर मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन कराते हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए। माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोडन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है। बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा , पारिवारिक माहौल खुशियों से भरा रहेगा। नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, सामाजिक रिश्तों में समरसता बनी रहेगी। सामाजिक कार्यों से जुड़े व्यक्तियों को मान - सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन साबित होगा। जो लोग प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते है, आज उनको अच्छा धन लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सुधार होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने कर्तव्यों का अच्छे से पालन करेंगे। आज आपकी रुचि आध्यात्म में ज्यादा रहेगी, जिससे आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज लाभ की स्थिति बनी रहेगी। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों के माध्यम से शुभ सूचना मिलेगी। लवमेट के लिए आज का दिन आनंद से परिपूर्ण रहेगा, आज आप साथ में अच्छा समय बिताएंगे। आज आपको ऑफिस के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

कर्क राशिः आज दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। सोने - चांदी का बिजनेस करने वालों को बड़ा धन लाभ होगा। आपके रिश्तों में ताल - मेल बना रहेगा, भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। लंबे समय से चल रही किसी समस्या का समाधान होगा, संतान पक्ष से सहयोग की प्राप्ति होगी। घर में किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे आज आपके घर में चहल - पहल बनी रहेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिये मिला - जुला रहेगा। आज आप में एक नई उर्जा का संचार होगा। आज आप अपने काम को खूब इंजॉय करेंगे। महिलाओं के लिए आज का दिन ख़ुशी से भरा होगा, आज उनको जीवनसाथी से महंगा उपहार मिल सकता है। आज आपके माता - पिता की सेहत ठीक रहेगी। बच्चों के साथ कही घूमने जा सकते हैं , बच्चों से स्नेह की प्राप्ति होगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। व्यापार में धन लाभ होगा, परिवार में खुशियां बनी रहेगी। नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे , बॉस आपकी तारीफ करेंगे। जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते है, आपके रिश्ते में जो गलतफहमियां थी वो दूर होंगी। आध्यात्म में आपकी रुचि आज ज्यादा रहेगी, जिससे मानसिक सुख की अनुभूति होगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लेकर आया है। आज आप किसी स्टार्टअप की शुरुआत कर सकते हैं, जो भविष्य में किसी बड़ी कम्पनी का रूप ले लेगा। आज आपको व्यापारिक लेन - देन में बड़ा फायदा होगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। आज नौकरी करने वालों के लिए दिन थोड़ा हेक्टिक हो सकता है, क्योंकि नौकरी में स्थान परिवर्तन होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने में किसी दोस्त की सलाह ले सकते हैं। आज आपको पैतृक सम्पत्ति का लाभ मिलेगा, भाई के साथ मिलकर किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं। इस राशि के छात्रों को विदेश जाने का मौका मिलेगा, जिससे वो अपनी पढाई को और बेहतर बना सकें।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज किसी कार्य में शारीरिक परिश्रम की अधिकता रहेगी, इसलिए आपको थकान का अहसास हो सकता है। पारिवारिक जीवन में सब कुशल - मंगल बनी रहेगी, सभी सदस्य आपस में मिल जुलकर रहेंगे। आज आप किसी सामाजिक समारोह का हिस्सा बन सकते हैं, आपकी उपस्तिथि वहां की रौनक बढ़ाएगी।

मकर राशिः आज आपको नए अवसर प्राप्त होंगें, जिनका लाभ उठाकर आप अपने जीवन को सही दिशा दे पायेंगे। कारोबारी गतिविधियां आपकी सुचारु रूप से चलती रहेंगी, आप कुछ बदलाव भी कर सकते है जिनका असर भविष्य में दिखेगा। आज आप इन्वेस्टमेंट के मामलों किसी एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं, जो आपके लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको बिजनेस में पार्टनरशिप का ऑफर मिलने के योग बन रहे हैं। आज किसी की सहायता से आपके सरकारी कार्य बनेंगे, जिससे आप आगे का काम कर पायेंगे। जरूरी निर्णय लेते समय घर के किसी बड़े सदस्य के साथ बात अवश्य कर लें। इस राशि की महिलाएं घर से किसी काम को शुरू कर सकती है, जिसमें परिवार का पूरा सपोर्ट मिलेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आया है। आज आप अपने घर या शॉप को दूसरी जगह शिफ्ट कर सकते हैं , इसमें आप किसी करीबी की मदद ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ ताल - मेल बना रहेगा , दाम्पत्य जीवन में खुशियां आयेंगी।

विज्ञान में लोक को प्रतिष्ठित करने की मुहिम

गिरीश्वर मिश्र

विज्ञान को आधुनिक युग में तेज़ी से धर्म का दर्जा दिया जा रहा है। लोगों में सबकुछ को वैज्ञानिक घोषित करने की ललक बढती जा रही है । ऐसा हो भी क्यों न ? विज्ञान विश्वसनीय, पूर्वाग्रहमुक्त और पक्षपातहीन अंतिम सत्य का पर्यायवाची जो हो गया है। हालाँकि सदैव ऐसा नहीं होता और स्वयं विज्ञान के अर्थ भी बदल रहे हैं। तब भी 'आँखिन देखी' पर विश्वास करने वाली विज्ञान की विधि ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक भरोसेमंद आधार के रूप में सुबुद्ध लोगों की अभी भी पहली पसंद बनी हुई है। टोना-टोटका, झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र और ओझा–सोखा को ले कर लोग हिचकने लगे हैं। आमतौर पर विज्ञान की बढ़ती साख का ही नतीजा है कि विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लगातार प्रयास हो रहे हैं ताकि आम जनों में वैज्ञानिक मानसिकता (साइंटिफिक टेम्पर) का विकास हो सके और वे खुशहाल जीवन बिता सकें। भारत में होशंगाबाद और केरल में समाज को विज्ञान से जोड़ने की पहल शुरू हुई थी जिसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार न हो सका। यहाँ एक जुड़ा सवाल वैज्ञानिक साक्षरता का भी है क्योंकि विज्ञान के प्रति भावनात्मक रुझान ही काफ़ी नहीं हो सकती उसकी मुलभूत जानकारी भी आवश्यक है । चूँकि विज्ञान का क्षितिज निरंतर विस्तृत हो रहा है इसलिए वैज्ञानिक साक्षरता का स्तर भी बढ़ता रहता है और उसे नए ज्ञान के आलोक में बार-बार परिभाषित और पुर्नपरिभाषित किए जाने की ज़रूरत पड़ती है। गौरतलब है कि दुनिया और उसमें होने वाली घटनाओं को लेकर उत्सुकता सदा से वैज्ञानिकों के अध्ययन और विज्ञान के विकास के लिए एक बड़ा प्रेरक स्रोत रही है। परंतु विकसित हो रहे ज्ञान तक पहुँच सिर्फ बिरले और चुनिंदा लोगों की ही हो पाती है जो पहले से विशेष प्रकार का अध्ययन और औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके रहते हैं। यह बात एक हद तक तो समझ में आती है पर इस तरह विकसित होता ज्ञान-सृजन व्यापक लोक-जीवन से प्रायः अछूता ही बना रहता है। ज्ञान और समाज के बीच में एक बड़ी खाई या दूरी बनी रहती है जिससे ज्ञान पर कुछ लोगों या समूहों का एकाधिकार और वर्चस्व समाज में शोषण और असंतुलन पैदा करता है। मानवता का इतिहास इसका गवाह है कि ज्ञान में जिसे बढ़त रही वही विजयी रहा। आज भी विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के उन्नत रूप को लेकर विकसित राष्ट्रों के द्वारा इसी युक्ति से दबदबा बनाया जा रहा है। सत्य यही है कि समाज का बहुलांश या कहें एक बहुत बड़ा तबका ज्ञान-विज्ञान से अनभिज्ञ और ज्ञान-प्रक्रिया से बहिष्कृत-सा ही बना रहता है। इस तरह के अपरिचय के कारण उनको उस ज्ञान से लाभ मिलना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। शिक्षा के सामाजिक वितरण में असमानता का मुद्दा जन-कल्याण के व्यापक लक्ष्य को पाने में बड़ी बाधा बन जाता है और अनेक स्तरों पर बना हुआ है। लोकतंत्र की दृष्टि से इस तरह का भेदभाव समाज को ज्ञानसम्पन्न होने के मार्ग में एक बड़ा रोड़ा बन जाता है। ज्ञान के अभाव का परिणाम यह होता है कि न केवल सामाजिक-आर्थिक विषमताएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती चली आती हैं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रतिरोध भी होता है और समाज शैक्षिक–आर्थिक तौर पर पिछड़ जाता है। आज के तथाकथित ज्ञान युग में भी देश के अनेक समुदाय ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देश भी ज्ञान सृजन और ज्ञान के अनुप्रयोग की दृष्टि से पिछड़े हुए हैं। इस विसंगति के समाधान के लिए ज्ञान पर एकाधिकार से आगे बढ़ कर उसका व्यापक पैमाने पर प्रसार जरूरी है। इधर कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय जगत में ज्ञान के प्रजातंत्री- करण को लेकर गंभीरता के कुछ संकेत दिखाई पड़ रहे हैं। इस सिलसिले में शुरू हुई "जन-विज्ञान" (सिटीज़न साइंस) नाम की पहल उल्लेखनीय है। यह पहल ग़ैर व्यवसायी वैज्ञानिकों या नागरिक जनों द्वारा वैज्ञानिक शोध में सक्रिय भागीदारी की परिघटना को व्यक्त करती है। इसे सक्रिय प्रतिभागी अनुसंधान (ऐक्शन रिसर्च) का ही एक रूप कहा जा सकता है। इसमें विभिन्न मात्रा में शोध कार्य करने के दौरान उसके विभिन्न चरणों में जन-भागीदारी को अवसर दिया जाता है। यह भागीदारी अप्रत्यक्ष और निष्क्रिय सहयोग से आरम्भ हो कर शोध में प्रत्यक्ष सहयोग-सहकार की सीमा तक जा सकती है। उल्लेखनीय है कि यूरोपियन कमीशन, अमेरिकी सरकार और संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्थाओं और व्यवस्थाओं द्वारा जन-विज्ञान की पहल को अब विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। आज की दुनिया में औद्योगिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन जिस तेजी से हो रहे हैं उसे देखते हुए समाज विज्ञानों के लिए जन-विज्ञान की पहल का महत्व और बढ जाता है। आज के परविश में लोगों के व्यवहार, संज्ञान, निर्णय-प्रक्रिया, प्रेरणाएँ, भावनाएं, मनोवृत्तियाँ, सहयोग तथा संघर्ष आदि के नए-नए आयाम उभर रहे हैं जिनको समझने के लिए परम्परागत समाज विज्ञान अपर्याप्त है। उसके लिए एक व्यापक सामाजिक आधार वाली दृष्टि की जरूरत है। सामाजिक विज्ञानों में आम जन शोध में प्रतिभागी के रूप में भाग लेते हैं और शोधकर्ता उनसे विभिन्न प्रकार के आँकड़े प्राप्त करता है जिसके अंतर्गत प्रतिभागी शोधकर्ता के कहे अनुसार बोल कर, लिख कर या कोई कार्य करते हुए अथवा दैहिक मापक के ज़रिए आवश्यक आँकड़े उपलब्ध कराता है। इस चरण के बाद शोधकर्ता और प्रतिभागियों के बीच सम्पर्क न अपेक्षित होता है न वांछित। वह नहीं के बराबर ही रहता है क्योंकि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने प्रयोग और अन्य दूसरे अध्ययनों में वैज्ञानिक प्रक्रिया में जन-भागीदारी बाधक मानी जाती है इसलिए वह उसके प्रति उदासीन ही रहती है। वह उसे सशक्त भी नहीं करती क्योंकि शोधकर्ता और प्रतिभागी के बीच एक ज्ञान-शक्ति का अंतर है जिसे बनाए रखा जाता है। परंतु सत्य यह भी है कि प्रतिभागियों की निष्क्रिय भागीदारी अलगाव का भाव पैदा करने वाली साबित हो सकती है। साथ ही अपरिचय से रूढ़ियाँ और पूर्वाग्रह भी उपजते तथा फैलते हैं। यह सब अध्ययन के परिणामों की प्रामाणिकता और सार्थकता को कम करने वाला ही होगा। इस तरह की अन्यमनस्कता और असंबद्धता शोध में आम तौर पर पाई जाता है। प्रतिभागियों के सहकार के साथ अध्ययन अधिक सार्थक हो सकेगा। यह सुखद बदलाव है कि विगत कुछ वर्षों में कुछ क्षेत्रों में ख़ास तरह के अनुभवों से गुजरने वाले लोगों की आवाज़ को भी शोध में विधिवत शामिल करने के प्रयास शुरू हुए हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हरमनप्रीत कौर ने शब्द नहीं, शतक से दिया जवाब, की दमदार वापसी

भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 13 रन से हराकर 2-1 से जीती सीरीज

हरमनप्रीत कौर का शतक और क्रांति गौड की घातक गेंदबाजी ने दिलाई जीत

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में शानदार शतक जड़ते हुए न केवल अपनी फॉर्म में वापसी की, बल्कि भारत को श्रृंखला जीत दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। इस मैच में उन्होंने 100 रन की साहसिक पारी खेली और 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज़' दोनों खिताब अपने नाम किए।

दिखी हरमनप्रीत की दृढ़ता- जब हरमनप्रीत 22 रन पर थीं, तब लॉरेन फिलर की एक गेंद पर इंग्लैंड ने एलबीडब्ल्यू की अपील पर रिव्यू नहीं लेने का फैसला किया, जो बाद में उनकी बड़ी भूल साबित हुई। उस समय भारत मुश्किल स्थिति में था, लेकिन कप्तान ने मोर्चा संभालते हुए टीम को संकट से निकाला।

लंबे अंतराल के बाद शतक- यह हरमनप्रीत का एक साल बाद आया वनडे शतक था। पिछली बार उन्होंने जून 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेंगलुरु में शतक जमाया था। इसके बाद से उन्होंने 13 पारियों में 29 की औसत से सिर्फ 319 रन बनाए थे। इस दौरान भारत की अन्य बल्लेबाजों जैसे स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल और जेमिमा रोड्रिग्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे हरमनप्रीत की फॉर्म पर सवाल उठने लगे थे।

दबाव में दिखाया कप्तानी अंदाज़- तीसरे वनडे में जब हरमनप्रीत बल्लेबाजी के लिए उतरीं, तब भारत के दोनों ओपनर आउट हो चुके थे। इंग्लैंड की स्पिन जोड़ी सोफी एक्लेस्टोन और चार्ली डीन दबाव बना चुकी थी। 11 गेंदों तक बिना रन बनाए खेलने के बावजूद हरमनप्रीत ने संयम नहीं खोया और धीरे-धीरे लय में आती गईं। उन्होंने हरलीन देओल के साथ 81 रन की साझेदारी की, जिसने एक्लेस्टोन जैसे गेंदबाज की ओवरों को जल्दी खत्म करने पर इंग्लैंड को मजबूर कर दिया।

जेमिमा के साथ साझेदारी में आया आक्रामक तेवर- एक समय 48 गेंदों पर 39 रन बनाकर खेल रहीं हरमनप्रीत ने जेमिमा रोड्रिग्स के आने के बाद रफ्तार पकड़ी। रोड्रिग्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए चार ओवरों में ही मैच का रुख बदल दिया। इसके बाद हरमनप्रीत ने भी अपने स्वाभाविक अंदाज में आक्रामकता दिखाई और अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाते हुए सिर्फ 28 गेंदों में पारी के दूसरे 50 रन पूरे किए।

4000 रन क्लब में शामिल- इस मैच में उन्होंने वनडे करियर का तीसरा शतक इंग्लैंड की धरती पर लगाया, जो उनके करियर का सबसे तेज़ शतक भी रहा। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में 4000 रन का आंकड़ा पार करने वाली भारत की तीसरी महिला खिलाड़ी बन गईं। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, "यह मैच हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। मैंने खुद से कहा था कि मैदान पर टिकना है और टीम के लिए खेलना है। शुरुआत में रन नहीं मिल रहे थे लेकिन धैर्य रखा और सही समय आने का इंतजार किया। यह पारी मैं अपने पिता को समर्पित करती हूं जो इस तरह की पारी का काफी समय से इंतजार कर रहे थे।"

वर्ल्ड कप से पहले अहम संदेश- हरमनप्रीत की यह पारी न सिर्फ भारत की जीत की नींव बनी, बल्कि उन्होंने वर्ल्ड कप से पहले टीम को यह विश्वास भी दिलाया कि मध्यक्रम में उनकी भूमिका अब भी उतनी ही निर्णायक है। यह पारी उनके नेतृत्व की परिपक्वता और संकट में खड़े रहने की क्षमता की जीती-जागती मिसाल थी।

चेस्टर-ले-स्ट्रीट। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मुकाबले में 13 रन की शानदार जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। इस मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद शतक और गेंदबाज क्रांति गौड के 6 विकेटों का अहम योगदान रहा। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 5 विकेट पर 318 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 84 गेंदों पर 102 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें उन्होंने 14 चौके लगाए। उनके अलावा जेमिमा रोड्रिग्स ने तेजतर्रार 50 रन और हरलीन देओल व स्मृति मंधाना ने क्रमशः 45-45 रनों की उपयोगी पारियां खेलीं। जवाब में इंग्लैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरे 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 296 रन ही बना सकी और 13 रन से मैच गंवा बैठी। इंग्लैंड की ओर से नैट स्किवर-ब्रंट ने सर्वाधिक 98 रन बनाए, जबकि एम्मा लैम्ब ने 68 रनों की शानदार पारी खेली। लेकिन भारत की गेंदबाज क्रांति गौड ने 52 रन देकर 6 विकेट झटकते हुए इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की और विदेशी जमीन पर एक और यादगार जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत को उनकी शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

रसेल ने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली, प्रशंसकों का आभार जताया

जमैका। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली हालांकि इस मैच में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी विदायी फीकी पड़ गयी। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में जोश इंग्लिस की अर्धशतकीय पारी से आसानी से जीत हासिल कर की। इस मैच में सभी की नजरें रसेल पर लगी रहीं। उन्हें देखने के लिए भारी संख्या में प्रशंसक भी स्टेडियम में पहुंचे थे। इस विदायी पार्टी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज इंग्लिस ने 33 गेंदों में ही 78 रन बनाए। रसेल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। वह सबीना पार्क में अपने घरेलू मैदान में विदाई मैच खेलना चाहते थे और उनका ये सपना पूरा हो गया। इस मैच में रसेल ने 15 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 36 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 240 का था। वेस्टइंडीज टीम 20 ओवर में 172 रन बना पाई। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 173 रनों के लक्ष्य को 16वें ओवर में ही हासिल कर लिया। मैच के बाद रसेल ने कहा, मैं सभी प्रशंसकों को समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। घरेलू दर्शकों के सामने खेलकर बहुत खुशी हुई, परिणाम भले ही हमारे पक्ष में नहीं गया पर इतने सारे मैच खेलकर मैं खुश हूं और टीम के भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी के समर्थन के लिए में आभारी हूं, मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते थे पर अब अंत में मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था, हमारी टीम में कई अच्छे युवा खिलाड़ी हैं, शेफर्ड भी जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं और रदरफोर्ड, अल्जारी और होल्डर जैसे खिलाड़ी भी हैं। सबीना पार्क में अपने करियर का समापन करना काफी अच्छा रहा, परिणाम हमारे पक्ष में नहीं गया पर यहीं क्रिकेट का यही खेल है। आपने हमारा बहुत साथ दिया है और आगे भी देते रहिए। रसेल ने 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 86 मैचों में 163.80 के स्ट्राइक रेट से कुल 1122 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतक भी लगाये। वहीं गेंदबाजी के दौरान उन्होंने 61 विकेट विकेट लिए। उनका सबसे अच्छा गेंदबाजी प्रदर्शन 19 रन देकर 3 विकेट रहा है।

चाइना ओपनः पीवी सिंधु ने छठी वरीयता प्राप्त टोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम-16 में बनाई जगह

चांगझोउ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिंधु ने पहले गेम में जबरदस्त शुरुआत करते हुए लगातार सात अंक हासिल किए और 13-5 की बढ़त बना ली। उन्होंने यह गेम आसानी से 21-15 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में 18 वर्षीय जापानी खिलाड़ी मियाजाकी ने जबरदस्त वापसी करते हुए नौ लगातार अंक बटोरे और 12-8 की बढ़त लेकर स्कोर को बराबरी पर ला दिया। मियाजाकी ने यह गेम 21-8 से जीता। निर्णायक गेम में सिंधु ने एक बार फिर संयम और अनुभव का परिचय देते हुए शुरू से ही बढ़त बनाए रखी और अंततः 21-17 से मुकाबला अपने नाम किया। यह मैच कुल 62 मिनट तक चला। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधु का यह मियाजाकी के खिलाफ दूसरा मुकाबला था। पिछली बार दोनों खिलाड़ी स्विस ओपन में आमने-सामने हुई थीं, जहां सिंधु को हार का सामना करना पड़ा था। सिंधु पिछले सप्ताह जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के पहले ही दौर में कोरिया की सिम यू जिन से 15-21, 14-21 से हारकर बाहर हो गई थीं।

सुंदर भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर बनाकर उभरेगा : शास्त्री

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने वाशिंगटन सुंदर की जमकर सराहना ही है। शास्त्री के अनुसार सुंदर एक अच्छे गेंदबाज होने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। ऐसे में वह भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर के तौर पर उभरेंगे। इसलिए उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने चाहिये। इस स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में ब्रिसबेन में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही अब तक केवल 11 टेस्ट मैच खेले हैं। जिसमें उनके नाम 30 विकेट और 545 रन हैं। शास्त्री ने कहा, 'मुझे शुरूआत से ही सुंदर प्रतिभाशाली लगा। मैंने उसे पहली बार देखते ही जान लिया था कि वह एक अच्छा खिलाड़ी है और उसमें एक अच्छा ऑलराउंडर बनने की क्षमताएं है। शास्त्री का मानना है कि इस क्रिकेटर को घरेलू धरती पर घूमती हुई पिचों पर लाल गेंद से अधिक मैच खेलने चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'वह अभी सिर्फ 25 साल का है। मुझे लगता है कि उसे और ज़्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिये था। भारत में जहां गेंद टर्न ले रही हो, वहां वह घातक साबित हो सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने प्रदर्शन किया था। उसने कुछ सीनियर स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन किया था और इसके साथ ही वह अच्छा बल्लेबाज भी है। वाशिंगटन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 की घरेलू टेस्ट सीरीज की चार पारियों में 16 विकेट लिए थे। शास्त्री ने उनकी बल्लेबाजी क्षमता की भी प्रशंसा की और कहा कि उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भी भेजा जा सकता है। शास्त्री ने कहा, 'वह स्वाभाविक रूप से प्रतिभाशाली बल्लेबाज है। वह बल्लेबाजी क्रम में आठवें नंबर का बल्लेबाज नहीं है। उसे बहुत जल्दी ही हम छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखेंगे। शास्त्री ने कहा कि वाशिंगटन की तकनीक अच्छी है जिससे वह विदेशी हालातों में भी सफल हो सकता है। उन्होंने कहा, 'एक बार जब वह आत्मविश्वास हासिल कर लेगा तो मुझे लगता है कि उसके खेल में और भी निखार आयेगा। उसने विदेश में भी अपनी लय बनाये रखी है। वह फिट खिलाड़ी है और वह वह लंबे स्पैल भी करता है और जरूरत के अनुसार बदलाव भी करता है।

व्यापार

एडीबी ने जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.50 फीसदी किया

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने व्यापार अनिश्चितता और अमेरिकी टैरिफ के संभावित प्रभाव को लेकर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.50 फीसदी कर दिया है। एडीबी का यह अनुमान अप्रैल में लगाए गए अनुमान 6.70 फीसदी से 0.20 फीसदी कम है। एशियाई विकास बैंक ने बुधवार को जुलाई के जारी एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में भारत के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के विकास दर अनुमान को भी मामूली रूप से घटाकर 6.80 फीसदी से 6.70 फीसदी कर दिया। एडीबी के जुलाई के एशियाई विकास परिदृश्य के अनुसार यह संशोधन मुख्य रूप से अमेरिकी शुल्क और उससे जुड़ी नीतिगत अनिश्चितता के प्रभाव के कारण किया गया है। ताजा एडीओ के मुताबिक अप्रैल 2025 की तुलना में गिरावट के बावजूद भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। एशियाई विकास बैंक को उम्मीद है कि सेवाएं और कृषि भारत के विकास के प्रमुख चालक होंगे, तथा सामान्य से ज़्यादा मानसूनी बारिश के पूर्वानुमान से कृषि क्षेत्र को समर्थन मिलेगा। उल्लेखनीय है कि आर्थिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 6.30 फीसदी से 6.80 फीसदी के बीच रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को पहले के 6.70 फीसदी के स्तर से घटाकर 6.50 फीसदी कर दिया है।

सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जोरदार तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये से लेकर 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,860 रुपये से लेकर 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,18,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एअर इंडिया विमान में टेकऑफ के बाद आई तकनीकी खराबी, कोझिकोड से दोहा जा रहा विमान लौटा

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों में लगातार तकनीकी खराबियों के मामले सामने आ रहे हैं। केरल के कालीकट (कोझिकोड) से बुधवार को कतर की राजधानी दोहा जा रहे एयर इंडिया के विमान को उड़ान भरने के कुछ घंटों बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस कोझिकोड एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पायलटों और चालक दल सहित 188 लोगों को लेकर उड़ान संख्या IX 375 ने सुबह लगभग 9.07 बजे कालीकट से उड़ान भरी थी। विमान में तकनीकी खराबी आने पर पायलट ने एटीसी (हवाई यातायात नियंत्रण) को जानकारी दी। दो घंटे बाद ही 11.12 बजे वापस केरल के कालीकट एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया गया। अधिकारी ने कहा कि विमान के केबिन एसी में कुछ तकनीकी समस्या थी, यह आपातकालीन लैंडिंग नहीं थी। इससे एक दिन पहले इससे पहले ही कोच्चि से आ रहा एयर इंडिया का एक विमान मुंबई एयरपोर्ट पर रनवे से आगे निकल गया था, जिसके बाद विमान को जांच के लिए रोक दिया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि हमारी एक फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के बाद केरल के कालीकट लौट आई। हमने प्राथमिकता के आधार पर एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की। प्रवक्ता ने कहा कि इस देरी के दौरान मेहमानों को जलपान उपलब्ध कराया और फिर उड़ान रवाना हो गई।

मोनिका एल्कोबेव की सपाट एंट्री से मामूली फायदे में रहे आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। एल्कोहलिक बेवरेजेज का आयात करके भारत और पड़ोसी देशों में बिक्री करने वाली कंपनी मोनिका एल्कोबेव के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 286 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 0.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 288 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण शेयरों में तेजी का रुख बना, जिससे कंपनी के शेयर 289.50 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली की वजह से ये शेयर 288 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह आज पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 0.70 प्रतिशत का मुनाफा हो सका। मोनिका एल्कोबेव का 165.63 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.86 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 137.02 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। नए शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 13.03 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.60 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 23.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 238.36 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी का रुख, शुरुआती दबाव के बाद सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती बनी हुई है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। राहत की बात रही कि दबाव के बावजूद दोनों सूचकांक सुबह 10 बजे तक हरे निशान में ही कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, बजाज ऑटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.41 प्रतिशत से लेकर 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, टेक महिंद्रा, ट्रेंट लिमिटेड, टाइटन कंपनी और एशियन पेंट्स के शेयर 1.22 प्रतिशत से लेकर 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,398 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,014 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,384 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 12 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 265.06 अंक की मजबूती के साथ 82,451.87 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक गिर कर 82,279.73 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होता नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 202.27 अंक की मजबूती के साथ 82,389.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 78.45 अंक उछल कर 25,139.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक पहले आधे घंटे के कारोबार में ही 25,085.50 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद बाजार में खरीदार एक्टिव होते हुए नजर आए, जिसकी वजह से इस सूचकांक स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 53.65 अंक की मजबूती के साथ 25,114.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 13.53 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,186.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 29.80 अंक यानी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,060.90 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

वॉर 2 का ट्रेलर 25 जुलाई को होगा रिलीज, ऋतिक-जूनियर एनटीआर के सिनेमा में 25 साल पूरे होने का जश्न मनाएंगे मेकर्स

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर मास एक्शन फिल्म वॉर 2 के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है. फिल्ममेकर यशराज बैनर ने वॉर 2 के ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान कर दिया है. फिल्म वॉर 2 का ट्रेलर अब बहुत जल्द दर्शकों के बीच में होगा. वॉर 2 के ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान कर मेकर्स ने फिल्म से एक नया पोस्टर भी जारी किया है. वॉर 2 के ट्रेलर का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और यह इंतजार उस वक्त ज्यादा बढ़ गया था जब वॉर 2 के टीजर में ऋतिक और जूनियर एनटीआर की पहली झलक देखने को मिलेगी और अब वॉर 2 के ट्रेलर में बड़े धमाके लिए तैयार रहें. वॉर 2 के मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, अनाउंसमेंट, वॉर 2 ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज होने जा रहा है, यह हिंदी, तमिल, तेलुगू में भी रिलीज होगा. वहीं, मेकर्स ने वॉर 2 का जो नया पोस्टर शेयर किया है, ऋतिक और जूनियर एनटीआर एक्शन मोड में दिख रहे हैं. इसक पोस्टर पर लिखा है, साल 2025 में सिनेमा के दो आइकन ने सिनेमा में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं, इसका जश्न मनाने के लिए 25 जुलाई की तारीख को चुना है, यह टाइटंस के बीच सबड़े बड़ा क्लैश होने जा रहा है, डेट नोट कर लें. वॉर 2 की रिलीज डेट की बात करें तो यह मौजूदा साल के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है. फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और फिल्म में कियारा आडवाणी लीड लेडी रोल में दिखेंगी. यशराज स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म को रिलीज होने में अब बस 25 दिन बचे हैं.

पेशे से अभिनेत्री और मॉडल हैं श्रुति चौहान, जिनका सैयारा के अभिनेता अहान पांडे के साथ जुड़ रहा नाम?

अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने फिल्म सैयारा के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। सैयारा की सफलता के बीच अब अहान अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उनका नाम श्रुति चौहान संग जुड़ रहा है। श्रुति ने सैयारा की समीक्षा करते हुए लिखा, सिनेमा में मोहित सूरी का जादू फिर से देखने को मिल रहा है और इससे बढ़कर कुछ नहीं हो सकता। अनीत पड्डा आप वाकई शानदार हैं। पूरी टीम को बधाई। उधर श्रुति ने अहान के लिए भावुक कर देने वाला नोट साझा किया। उन्होंने लिखा, उस लड़के के लिए जिसने जिंदगी भर यही सपना देखा, उस लड़के के लिए जिसने उस वक्त इस पर विश्वास किया जब किसी और ने नहीं किया। श्रुति ने अहान की तारीफ करते हुए आगे लिखा, उस लड़के के लिए जिसने इस पल के लिए सब कुछ दे दिया। उस लड़के के लिए जो किसी से भी ज्यादा इसका हकदार है! यह मंच तुम्हारा है अहान। मैं तुमसे प्यार करती हूं। मुझे तुम पर गर्व है, मैं रो रही हूं, चीख रही हूं और मैं बस यही कामना और प्रार्थना कर रही हूं कि तुम्हारे लिए और भी बहुत कुछ आए। रुति पेशे से एक अभिनेत्री और मॉडल हैं। वह राजस्थान के जयपुर की रहने वाली हैं। श्रुति 27 साल की हैं। अभिनेत्री ने अपनी शुरुआती पढ़ाई भी जयपुर से ही पूरी की है। उन्होंने ज्योति विद्यापीठ कॉलेज से आर्ट्स में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। वह जोया अख्तर की फिल्म गली बॉय में नजर आ चुकी हैं। इसमें उन्होंने माया का किरदार निभाया था। श्रुति सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 2.2 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। बता दें कि हाल ही में श्रुति को गायक जुबिन नौटियाल के साथ म्यूजिक वीडियो हद से में देखा गया था।

बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 100 करोड़ी क्लब में शामिल सैयारा, बनी डेब्यू एक्टर की वीकेंड पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

मोहित सूरी की म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा सैयारा की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. यह फिल्म 18 जुलाई को रिलीज हुई और पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई. वहीं, पहले वीकेंड पर इसने इतिहास रच दिया है. जी हां, इस रोमांटिक फिल्म ने 3 दिनों में दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है. इस तरह सैयारा ने भारत में किसी रोमांटिक फिल्म के लिए सबसे बड़े ओपनिंग वीकेंड के साथ इतिहास रच दिया है. अहान पांडे-अनीत पड्डा की फिल्म ने इसके अलावा भी कई उपलब्धियां हासिल की हैं. निर्देशक मोहित सूरी की सैयारा ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. अहान पांडे और अनीत पड्डा की यह डेब्यू फिल्म अब सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है. सोमवार, 21 जुलाई को यशराज फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर सैयारा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन रिपोर्ट साझा किया है. यह रिपोर्ट सैयारा के पहले वीकेंड का है. मेकर्स ने सैयारा का पोस्टर साझा किया है, जिसमें लिखा है, सैयारा का हिस्टोरिकल ओपनिंग. नवोदित कलाकारों (डेब्यूटेंट) वाली फिल्म के लिए सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड. मेकर्स के मुताबिक, सैयारा ने अपने पहले वीकेंड में दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 119 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसने भारत में 101.75 करोड़ ग्रॉस (84 करोड़ रुपये नेट) कलेक्शन किया है. जबकि, ओवरसीज पर इसने 17.25 करोड़ रुपये की कमाई की है. इस उपलब्धि के लिए मेकर्स ने सभी का शुक्रिया अदा किया है. सैकनिल्क के मुताबिक, सैयारा ने पहले दिन 21.5 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग की थी. वहीं, दूसरे दिन 20.93 प्रतिशत की उछाल के साथ फिल्म ने 26 करोड़ रुपये की कमाई की थी. पॉजिटिव माउथ पब्लिसिटी के कारण रविवार को भारी संख्या में दर्शक फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों में पहुंचे, जिसका फायदा फिल्म को मिला. सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक, सैयारा ने पहले वीकेंड पर 35.75 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की. इस तरह फिल्म ने भारत में तीन दिनों में 83.25 करोड़ रुपये की कमाई करने में सफल रही.

सन ऑफ सरदार 2 का नया ट्रेलर जारी, जस्सी रंधावा बन लौट रहे अजय देवगन, फिल्म 1 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का दूजा ट्रेलर रिलीज हो गया है. मतलब दूसरा ट्रेलर. जिसमें एक बार फिर फिर हंसी का तगड़ा डोज देखने को मिला है. बता दें ये फिल्म सिनेमाघरों में 1 अगस्त को आने वाली है. इसका पहला पार्ट 2012 में रिलीज हुई थी. अब संजय दत्त को रवि किशन ने रिप्लेस किया है और नया अंदाज देखने को मिलेगा. एक बार फिर सरदार जस्सी की कहानी इस ट्रेलर में दिखाती है. जहां उसकी नई नई मुसीबतें हंसने पर दर्शकों को मजबूर करती है. जस्सी की जिंदगी में दिक्कतें भी कम नहीं है लेकिन इस परेशानियों को मेकर्स ने कॉमेडी का तड़का लगाकर जबरदस्त बना दिया है. सन ऑफ सरदार 2 का ट्रेलर इस बात को दिखाता है कि एक सरदार कितनी भी मुसीबत में पड़ जाए लेकिन जब वह खड़ा होता है तो वह सब पर भारी पड़ता है. सबसे मजेदार तो दीपक डोबरियाल हैं जो महिला के किरदार में दिख रहे हैं. उन्हें तो पहचान पाना भी मुश्किल हो गया है. इस ट्रेलर को देखते ही फैंस भी जबरदस्त रिएक्ट करने लगे. कुछ ने इसे अभी से हिट तो कुछ ने इसे सुपरहिट बताया. वहीं रवि किशन के सरदार लुक की भी तारीफ हो रही है. सन ऑफ सरदार 2 का पहला ट्रेलर 14 जुलाई को जारी किया गया, जिसमें अजय देवगन, रवि किशन, विधु विनोद चोपड़ा, संजय मिश्रा से लेकर मृणाल ठाकुर और कुब्रा सैत समेत तमाम सितारे नजर आ रहे हैं. साल 2012 में आई सन ऑफ सरदार सुपरहिट रही थी. एक बार फिर अजय देवगन वही जस्सी वाले अंदाज में नजर आ रहे हैं.इस फिल्म के गाने भी लोगों को काफी इंट्रेस्टिंग लग रहे हैं. इसके गाने पहला तू दूजा तू का हुक स्टेप भी खूब वायरल हुआ था. बता दें विजय कुमार अरोड़ा ने सन ऑफ सरदार 2 को डायरेक्ट किया है. जिसमें इस फिल्म में अजय देवगन, रवि किशन, संजय मिश्रा, मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, रोशनी वालिया, शरत सक्सेना, साहिल मेहता और दिवंगत मुकुल देव जैसे दमदार कलाकार शामिल हैं.

भाभी जी घर पर हैं फेम शुभांगी अत्रे ने इंस्टाग्राम पर शेयर की बारिश में भीगी तस्वीरें

टीवी शो 'भाभी जी घर पर हैं की मशहूर एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर कर तहलका मचा दिया है. 'बारिश में खोया कैप्शन के साथ शेयर की गई इन तस्वीरों में शुभांगी डेनिम स्ट्रैपलेस ड्रेस में नजर आ रही हैं और बारिश के मौसम का लुत्फ उठाती दिख रही हैं. खुले बाल, नेचुरल मेकअप और कॉन्फिडेंट स्माइल उनके इस लुक को और भी खास बना रही है. इन तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में 'बिल्कुल आश्चर्यजनक, 'वाह और 'बहुत खूबसूरत जैसे कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. किसी ने उन्हें 'रेन क्वीन कहा तो किसी ने 'सो ब्यूटीफुल लिखकर तारीफ की. शुभांगी अत्रे की यह तस्वीरें इस बात का सबूत हैं कि वह सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि एक कमाल की स्टाइल आइकन भी हैं. उनका ये मॉनसून लुक इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं. कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स से ये पोस्ट ट्रेंड कर रही है. शुभांगी अत्रे का यह दिलकश अंदाज उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है. छोटे पर्दे पर अपनी सादगी और दमदार अभिनय से दिल जीतने वाली शुभांगी जब भी कैमरे के सामने स्टाइलिश और ग्लैमरस अवतार में आती हैं, तो वह सोशल मीडिया पर छा जाती हैं. बारिश की ठंडी फुहारों में उनकी ये तस्वीरें न सिर्फ फ्रेशनेस का एहसास कराती हैं, बल्कि यह भी साबित करती हैं कि शुभांगी हर लुक को आत्मविश्वास के साथ कैरी करना बखूबी जानती हैं. उनके इस मॉनसून फोटोशूट ने एक बार फिर दिखा दिया कि वह फैंस के दिलों पर राज करने में माहिर हैं.

अवतार: फायर एंड ऐश में नए विलेन की एंट्री, ऊना चैपलिन मचाएगी गदर, फर्स्ट लुक आउट

अवतार: फायर एंड ऐश यानी अवतार 3 का हाल ही में ट्रेलर ऑनलाइन लीक हुआ था. हालांकि फिल्म अवतार: फायर एंड ऐश का ट्रेलर बहुत जल्द रिलीज होने जा रहा है. इससे पहले जैम्स कैमरून ने अपने दुनियाभर के दर्शकों के लिए एक गिफ्ट पेश किया है. अवतार 3 या कहें अवतार: फायर एंड ऐश में नए विलेन की एंट्री हो गई है और इसका फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आ चुका है. अवतार: फायर एंड ऐश के नए विलेन का पोस्टर आने के बाद दर्शकों के लिए फिल्म का इंतजार करना मुश्किल हो सकता है. बता दें, फिल्म मौजूदा साल की 19 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है. अवतार: फायर एंड ऐश के नए विलेन की बात करें तो इसे ऊना चैपलिन करने जा रहे हैं. बीते मंगलवार को अवतार: फायर एंड ऐश के मेकर्स ने फिल्म से विलेन वरंग का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया है. ऊना चैपलिन एक स्पेनिश स्विस ब्रिटिश एक्ट्रेस हैं. फिल्म में वह मैंग्क्वॉन कौम की लीडर के रोल में दिखेंगी. वरंग का कैरेक्टर कहानी में एक अनोखी जटिलता लाने के लिए तैयार है. उत्साह बढ़ाने के लिए, अवतार: फायर एंड ऐश का पहला ट्रेलर 25 जुलाई, 2025 को द फैंटास्टिक फोर: फर्स्ट स्टेप्स की रिलीज के साथ सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा. रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का ट्रेलर हाल ही में डिज्नी के लॉस एंजिल्स और न्यूयॉर्क ऑफिस में दिखाया गया था. इससे पता चला है कि वरंग को एक आकर्षक लाल और काले रंग की टोपी पहने हुए दिखाया गया है. वह एक ज्वाला फेंकने वाली मशीन चलाते हुए, मैग्मा से निकलने वाली ज्वालामुखी सीन में चलती हुई दिखाई देती है. ट्रेलर में कथित तौर पर एक तनावपूर्ण स्थिति का भी संकेत मिलता है, जहां वरंग, जेक और नेयतिरी की बेटी किरी को बंधक बना लेती है और कहती है, तुम्हारी देवी का यहां कोई प्रभुत्व नहीं है, इससे नावी के बीच एक संभावित संघर्ष का माहौल बनता है. एक इंटरव्यू में, निर्देशक जेम्स कैमरून ने कहा, वरांग उन लोगों की नेता हैं, जो अविश्वसनीय कठिनाइयों से गुजरे हैं, इससे वह और भी कठोर हो गई हैं, वह उनके लिए कुछ भी करेगी, यहां तक कि वे चीजें भी जिन्हें हम बुरा मानते हैं. उन्होंने कहा कि वारंग के कार्य दर्शकों की सही और गलत की धारणा को चुनौती देंगे. कैमरून की फिल्म के लिए सोच और उसे इंसानी सोच से परे बनानी की है. उन्होंने कहा, इस फिल्म में हम जो एक चीज करना चाहते थे, वह है काला-सफेद सरलीकरण नहीं, हम सभी इंसान बुरे हैं, सभी नावी अच्छे हैं वाली धारणा से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं. सैम वर्थिंगटन, जो सलदाना और सिगोरनी वीवर जैसे वापसी करने वाले सितारों के साथ, यह फिल्म पुराने दर्शकों और नए दर्शकों, दोनों को अपनी विशाल दुनिया में खींचने के लिए तैयार है. 20वीं सेंचुरी स्टूडियो द्वारा निर्मित और डिस्ट्रीब्यूटी, अवतार 3: फायर एंड ऐश इस साल की सबसे महत्वपूर्ण रिलीज में से एक होने की उम्मीद है.

PM Modi and many other ministers paid tribute to Chandrashekhar Azad on his birth anniversary

New Delhi, On the birth anniversary of Chandrashekhar Azad, a great revolutionary of the freedom struggle, prominent leaders of the country paid tribute to him today. Several Union ministers including Prime Minister Narendra Modi and BJP President JP Nadda praised Azad's contribution, recalling his courage, sacrifice and patriotism. Prime Minister Narendra Modi said that Chandrashekhar Azad was a symbol of valour and courage. He played an important role in India's independence and inspired the youth to fight for justice. Union Home Minister Amit Shah described Azad as a true patriot and said that he shook the foundations of British rule with his revolutionary spirit.

He said, Azad fought for independence till his last breath and presented a unique example of national service. BJP President JP Nadda described Chandrashekhar Azad as a true son of Mother India and said that Azad created public awareness towards Swadeshi, Swaraj and Indian culture and transformed the freedom movement into a mass movement.

Union Commerce Minister Piyush Goyal described Azad's dedication as inspirational and said that his life is a symbol of patriotism. He said, I salute the great revolutionary Chandrashekhar Azad on his birth anniversary, who gave his all to free the motherland from the shackles of slavery. His dedication towards the nation will always be a source of inspiration. Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chauhan described Chandrashekhar Azad as a synonym of courage and determination and said that Azad's saga of sacrifice will continue to inspire for ages.

He said, I bow down to the great revolutionary, brave martyr Chandrashekhar Azad, a devoted devotee of Maa Bharati, synonym of perseverance, courage and self-confidence, on his birth anniversary! The saga of sacrifice, struggle and martyrdom that you have written for the freedom of the motherland will continue to inspire people to serve the nation for ages. Repeated salutes at the feet of the brave son! Union Energy Minister Manohar Lal Khattar described Azad as a unique symbol of bravery and said that his life was dedicated to the service of Mother India. He said, I bow down to the great revolutionary, immortal martyr Chandrashekhar Azad, who spent his entire life for the freedom of mother India, a unique symbol of courage and bravery, on his birth anniversary. Union Education Minister Dharmendra Pradhan, while recalling the revolutionary contribution of Azad, said that his famous statement, we will face the enemy's bullets, we have been free and will remain free. He said, I pay my respectful homage to the great revolutionary of the freedom struggle, immortal martyr Chandrashekhar Azad ji on his birth anniversary. Chandrashekhar Azad ji shook the foundation of British rule with his unparalleled patriotism and made the entire nation aware of freedom. He dedicated the best moments of his life for the freedom of the country. His life is a priceless heritage of the Indian freedom struggle. We will face the enemy's bullets, we have been free and will remain free - this sentence of his still resonates in the hearts of all of us and inspires every Indian to serve the nation.

Odisha: Vigilance raids on the premises of BMC engineer in Bhubaneswar

Bhubaneswar, The vigilance department is continuing its action against senior officials in Odisha for corruption. In this sequence, on Wednesday, the vigilance department raided different districts of the state in a case of disproportionate assets. This raid was conducted at the premises of Bhubaneswar Municipal Corporation (BMC) Executive Engineer Jagannath Patnaik. In this action, a team of 6 Deputy Superintendents of Police (DSP), 10 Inspectors and other supporting staff raided 4 locations on Wednesday. A search warrant was issued against Bhubaneswar Municipal Corporation (BMC) Executive Engineer Jagannath Patnaik. According to information, teams of Odisha Vigilance Department reached a three-storey residential building located at Badagadda in Bhubaneswar, BMC office room, a farmhouse located at Mouza Ranapur under Balianta tehsil of Khordha district and the ancestral house of Jagannath Patnaik located in Rayagada district. Earlier on Tuesday, vigilance officials arrested DFO Nityananda Nayak in Keonjhar, Odisha. The accused officer Nityanand Nayak is currently posted as Divisional Forest Officer (DFO) in Kendu Leaf Division of Keonjhar district. Several properties linked to the senior officer were raided on charges of amassing assets disproportionate to known sources of income. Raids were conducted at 7 locations in 3 districts. Assets worth crores were seized, including a four-storey building, farmhouse, vehicles, gold, cash and weapons. Nityanand Nayak was produced in the court following a three-day campaign by the vigilance department against corruption. The Odisha Vigilance Department said in a press release that during simultaneous searches at several locations linked to Nityanand Nayak, assets worth crores were unearthed. Vigilance officials were stunned when they found out that DFO Nityanand Nayak and his family own 115 plots in a single block of Angul district.

Today is the third day of the monsoon session of Parliament, the time for discussion on Operation Sindoor has been extended by 9 hours

New Delhi, Wednesday is the third day of the monsoon session of Parliament. Proceedings will resume in the Lok Sabha and Rajya Sabha, but there is a possibility of uproar due to political tension. An important meeting of the Business Advisory Committee (BAC) will be held in the Rajya Sabha at 12:30 pm on Wednesday. Apart from this, the time for discussion on Operation Sindoor has been extended to nine hours. This discussion will remain the main focus of the House amid many controversial issues. On Tuesday, the proceedings of both the Houses were adjourned for the entire day due to protests and uproar by the opposition parties. This uproar was mainly due to two major issues: the work of 'Special Intensive Revision' (SIR) of voter lists in Bihar and the sudden resignation of Vice President and Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar. At the start of the second day of the session, opposition leaders held a joint protest outside the 'Makar Dwar' of Parliament. They accused the Election Commission of running the SIR campaign in a biased and unfair manner ahead of the elections in Bihar. Big leaders like Congress leader Rahul Gandhi and SP chief Akhilesh Yadav participated in this protest. They were waving placards and posters and accusing of electoral manipulation. When Deputy Chairman Harivansh rejected the adjournment motions moved by several opposition MPs, chaos ensued. Members trooped into the well of the House and started raising slogans. Due to the uproar, the Rajya Sabha was first adjourned till noon, then till 2 pm and finally for the entire day. The same situation prevailed in the Lok Sabha. Opposition MPs demanded a debate on the SIR campaign and Operation Sindoor, but Lok Sabha Speaker Om Birla did not allow it. After this, the protest and uproar increased. After repeated adjournments, finally the proceedings of the Lok Sabha were also adjourned for the whole day.

Chaos breaks out in Bihar Assembly: Chairs tossed, MLAs and marshals jostled, Tejashwi Yadav lashes out at the government

Patna, There was a lot of uproar in the Bihar Assembly on Tuesday. The opposition MLAs in the House lifted chairs towards the reporting table, which worsened the situation. During this, there was a scuffle between the marshals and the MLAs, in which the clothes of a marshal were torn. Despite repeated warnings from the Assembly Speaker Nand Kishore Yadav, the uproar continued in the House. As a result, the proceedings of the Assembly had to be adjourned several times. On the second day of the monsoon session of the Bihar Assembly, opposition MLAs created a ruckus demanding a discussion on the Special Intensive Revision (SIR) of the voter list, due to which the House had to be adjourned repeatedly. As soon as the second session began, opposition MLAs came into the well of the House. During this, they started raising slogans demanding a debate on voter list revision. During the uproar in the House, the opposition MLAs tried to overturn the table. After this incident, Speaker Nand Kishore Yadav warned the MLAs to maintain order in the House. He said that the opposition members were allowed to speak in the first session, but they did not use the opportunity. He initially adjourned the proceedings till 2 pm amid the uproar. However, the next time too the proceedings began with uproar. Leader of Opposition Tejashwi Yadav reached the assembly wearing a black kurta in protest. He said, efforts are being made to end democracy in Bihar. The process of the Election Commission is not correct. A meeting of the Advisory Committee should be called to discuss the voter list amendment. When the names of voters are being deleted, what is the point of the bills? If voters are deprived of voting, how can we say that we live in a democratic country? He further said, if we will not discuss the voter list amendment in the temple of democracy, then where will we do it? The democracy of the state is in danger.

Big twist in Raja Raghuvanshi murder case, brother-in-law who demanded justice turned out to be a 'traitor'; lawyer is looking for sister and lover

Indore, Another sensational twist has come in the murder case of Indore's famous transport businessman Raja Raghuvanshi. This time the twist in the story has come because of the deceased's wife and main accused Sonam Raghuvanshi's brother Govind, whose role till now has raised serious questions. Raja's brother has directly accused Govind of betraying the family and 'double crossing' them to save his murdered sister and her lover. This new revelation in the case came when the deceased Raja's brother Vipin Raghuvanshi reached Shillong on Tuesday. There he came to know that Govind, who was pretending to fight for justice with his family till now, has been secretly looking for a lawyer for his sister Sonam and her lover Raj for the last few days. Vipin also got to know that Govind has already discussed the aspects related to the case with many lawyers. On hearing this, Vipin lost his patience. Vipin alleged, Govind is outright cheating our family. Whatever he has told our family and the media so far regarding Raja's murder has been proven false. Vipin has also demanded Raja's postmortem report from Shillong hospital. It is noteworthy that after Raja's body was found, Govind came in front of the media and demanded death penalty for his sister and made many statements claiming himself innocent, which made everyone believe his words. However, the deceased's brothers Vipin and Sachin had expressed doubts on Govind many times before. Now the news of searching for a lawyer in Shillong has made Govind's role completely suspicious. Raja's family is also unhappy with the police investigation. Recently, Shilom James, accused of hiding evidence, got bail from the court. Earlier, two other accused Balveer Ahirwar and Lokendra Tomar, arrested from Gwalior, have also got bail. The family alleges that there are serious flaws in the police investigation, due to which it is not able to present solid evidence against the accused in the court and the accused are getting released one by one. Indore's transport businessman Raja Raghuvanshi got married to Sonam on 11 May this year. Both of them went to Guwahati and Shillong for honeymoon on 20 May, but mysteriously disappeared on 23 May. After a long search, Raja's body was found in a ditch in Shillong on 2 June. It is alleged that Sonam, along with her lover Raj and his three friends, conspired to murder him and carried out the crime after taking him on honeymoon.

Indian Air Force's strength increased, first batch of 'Killer' Apache helicopters reached India; will be deployed here

New Delhi, There has been a major increase in the firepower of the Indian Army. The first batch of Apache, one of the world's most dangerous fighter helicopters, has reached India. These state-of-the-art helicopters manufactured by the American company Boeing will be included in the army fleet. Their first deployment will be in Jodhpur, which is strategically close to the western border. The Indian Army gave this information on the social media platform 'X' and called it a historic moment. The army wrote in the post, "Arrival of Apache in Indian Army! A historic moment for the army. Welcome the first batch of Apache helicopters to India. This will significantly increase the operational capabilities of the army." India had signed a deal with American aerospace company Boeing in 2020 for six IAF-64 Apache helicopters for the Indian Army. Their delivery was to take place last year itself, but it has been delayed by about 15 months. Three helicopters have reached India in the first consignment received on Tuesday. It is important to note that these helicopters have been received by the Indian Army. Earlier, the Indian Air Force already has a fleet of 22 Apache helicopters. Now the army has started getting its own Apache helicopters, which will enable better coordination between ground and air operations. Apache helicopters are known for their lethal firepower, strong armor and advanced technology to operate even at night. Their induction into the army will increase India's military strength manifold on the western border.

Government should tell the country the reason for Jagdeep Dhankhar's resignation: Mallikarjun Kharge

New Delhi, Politics over Jagdeep Dhankhar's resignation from the post of Vice President is not stopping. Questions are being raised continuously by the opposition on this issue. Meanwhile, a statement has come from Congress National President and Leader of Opposition in Rajya Sabha Mallikarjun Kharge. He said that the government should answer why he (Jagdeep Dhankhar) resigned? Congress National President Mallikarjun Kharge while talking to the media on Wednesday said, the government should answer why he (Jagdeep Dhankhar) resigned? What is the reason behind this? We feel that there is something fishy. Otherwise, his health is very good, he used to defend RSS and BJP more than himself, even his people would not have done this much. His loyalty was with RSS and BJP. The way he has resigned, who is behind it and those reasons should be told to the country. On the comment of RSS chief Mohan Bhagwat, he said, RSS is trying to write history upside down. They also deny the book 'The Discovery of India' written by Jawaharlal Nehru. RSS's history is different and the country's history is different. Jagdeep Dhankhar on Monday submitted his resignation to President Draupadi Murmu, citing health issues and the need to follow medical advice under Article 67 (A) of the Constitution. His resignation on the very first day of the Monsoon Session created a stir in political circles with the Opposition questioning the government over the issue. The Congress claimed that the health reasons cited in his resignation were not substantial but there was more to it than what was visible. Reacting to this, BJP MP Nishikant Dubey said, Congress party should avoid giving political colour to Dhankhar's resignation.

Major accident during illegal coal mining, more than 10 workers feared dead due to mine collapse

Dhanbad, A major accident occurred during illegal coal mining in Kesargarh area of Baghmara block in Dhanbad district of Jharkhand. More than 10 workers are feared to be trapped after a mine caved in near the Shiva temple of BCCL Block 2 late on Tuesday night. According to sources, more than 10 people are reported to have been killed in this accident, but it has not been officially confirmed by the administration yet. Social activist Saryu Roy wrote about this accident in an X post, 9 workers died on Tuesday when an illegal mining mine collapsed at a place called Jamunia in Baghmara, Dhanbad. He further wrote in the post, illegal mining mafia is busy disposing of the bodies of the dead. I have informed Dhanbad SSP about this. According to eyewitnesses, a mining mafia called Chunchun was carrying out illegal mining under influential protection. As soon as the news of the accident spread, there was a stir in Kesargarh and surrounding areas. The relatives of the dead and buried workers and the local people rushed towards the spot, but it is alleged that the people of the syndicate associated with the coal mafia stopped them on the way. This has caused great resentment among the angry villagers. People are accusing the administration and the mafia of collusion and are demanding strict action against the culprits. Villagers say that many accidents have happened earlier also due to illegal mining, but no concrete action was taken. This time's accident has once again exposed the failure of the system. The status of relief and rescue work after the accident is still not clear. Local people say that the administration did not take immediate action, due to which the chances of saving the workers are decreasing. The villagers have demanded that the rescue work be expedited and strict action be taken against those responsible for the accident.